संचार मंत्रालय
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

सत्यमेव जयते

Message from the Minister of Communications

Namaskar!

The past year has been a resplendent chapter in India's telecom journey, a period defined by bold reforms, inclusive growth, indigenous innovation, and a decisive leap toward global leadership. Guided by the visionary leadership of our Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi ji, we have transformed challenges into opportunities and opportunities into milestones on our shared path to a Digital Bharat.

Under the enlightened guidance of the Hon'ble Prime Minister, the Department of Telecommunications has embraced the spirit of Samaveshit (inclusion), Tvarit (speed), Surakshit (security), and Samruddhi (prosperity), principles that illuminate our mission and anchor every initiative we undertake.Samaveshit reflects our commitment to ensure that no citizen, however remote, is left behind in the digital era.

Tvarit embodies our urgency to improve ease of living and ease of doing business through swift, decisive action.Surakshit reminds us of our duty to secure not only networks but the trust and data of every Indian.Samruddhi represents our aspiration to foster innovation, build self-reliance, and strengthen Bharat's stature as Vishwabandhu, a trusted friend to the world.

This year has been transformational. India has emerged as the fastest country in the world to roll out 5G, now available across 99.9% of districts, powered by nearly five lakh 5G base stations. Through the Amended BharatNet Programme, more than 6.94 lakh kilometres of optical fibre now connect 2.14 lakh Gram Panchayats, turning rural India into a digital powerhouse. The 4G Saturation Project has commissioned over 12,700 towers, bringing connectivity to 18,600 villages, many for the very first time.

Even our remotest islands are no longer out of reach including the Kochi–Lakshadweep Submarine Cable Project has ushered in 5G and FTTH services, boosting bandwidth more than fivefold and weaving our distant communities into India's digital mainstream.

A defining moment in this journey was when the Hon'ble Prime Minister inaugurated India's indigenously developed BSNL 4G Stack, a landmark in our pursuit of Aatmanirbhar Bharat. With this achievement, India joined an elite group of just five countries globally with the capability to design, develop, and deploy its own 4G core technology. On the day of the launch, one lakh 4G towers were activated simultaneously across the nation, bringing over two crore people into India's digital fold, many from remote, previously unconnected regions. From a time when India struggled with 2G connectivity, we have now achieved near-universal 5G coverage. This Made-in-India 4G Stack stands as a beacon of digital self-reliance and technological independence, strengthening India's global competitiveness and supporting our India 6G Vision 2030.

Our reforms have laid the foundation for this progress. The Telecommunications Act, 2023 has replaced colonial-era laws with a modern, technology-neutral framework that promotes innovation, strengthens spectrum management, and protects user rights. The Telecommunications (Temporary Suspension of Services) Rules, 2024 ensure that security and freedom are balanced through accountability. The GatiShakti Sanchar Portal has reduced Right of Way approvals from 448 days to just 33, exemplifying our commitment to transparency and speed.

Security remains paramount. The Sanchar Saathi Portal and App have empowered over 20 crore citizens to block lost phones, verify SIMs, and report fraud. The Digital Intelligence Platform, uniting 75+ organisations, has helped avert over ₹200 crore in financial frauds.

Innovation continues to be our driving force. The Telecom Technology Development Fund has supported ₹500 crore worth of projects including ₹200 crore for 6G research, nurturing next-generation innovation within India. The PLI Scheme has catalysed ₹4,516 crore in investments, ₹91,125 crore in sales, ₹17,809 crore in exports, and 29,000 new jobs, strengthening India's global footprint in telecom manufacturing.

The India Mobile Congress 2025, held from 8–11 October, marked another milestone showcasing India's rise as a hub of innovation and collaboration. With the launch of the IMC 2025 App, the event became a vibrant platform uniting global leaders, startups, and investors around the future of 5G, 6G, AI, Satcom, and cybersecurity.

Every milestone we achieve reaffirms one truth. India's telecom revolution is not just about faster networks or new technologies. It is about you, the citizen at the centre of this transformation. Whether it is a student in a rural classroom, a startup innovator in a city, or a farmer adopting digital tools, every Indian is a vital thread in the story of Digital Bharat.

As we move forward, let us continue building this future together with trust, innovation, and purpose, ensuring that every Indian, in every corner of the nation, benefits from the boundless promise of our connected tomorrow.

Jai Hind!

Warm regards,

Jyotiraditya M. Scindia
Minister of Communications,
Government of India

संचार मंत्रालय
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

माननीय संचार मंत्री का संदेश

नमस्कार!

विगत वर्ष भारत की दूरसंचार यात्रा का स्वर्णिम अध्याय रहा है, यह ऐसा दौर रहा है जिसमें साहसिक सुधार, समावेशी विकास, स्वदेशी नवाचार और वैश्विक नेतृत्व की ओर निर्णायक उछाल शामिल है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमने डिजिटल भारत के अपने साझा पथ पर चुनौतियों को अवसरों में और अवसरों को मील के पत्थर में बदल दिया है।

माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रबुद्ध मार्गदर्शन में, दूरसंचार विभाग ने समावेशित (समावेश), त्वरित (गति), सुरक्षित (सुरक्षा) और समृद्धि (संपन्नता) की भावना को अपनाया है, ये सिद्धांत हमारे मिशन को उजागर करते हैं और हमारी हर पहल का आधार हैं। समावेशित हमारी इस प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि कोई भी नागरिक, चाहे वह कितना भी दूर क्यों न हो, डिजिटल युग में पीछे न छूटे।

त्वरित, तीव्र और निर्णायक कार्रवाई के माध्यम से जीवन और व्यापार को सुगम बनाने की हमारी तात्कालिकता का प्रतीक है। सुरक्षित हमें न केवल नेटवर्क, बल्कि प्रत्येक भारतीय के विश्वास और डेटा को सुरक्षित रखने के हमारे कर्तव्य की याद दिलाता है। समृद्धि, नवाचार को बढ़ावा देने, आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने और विश्वबंधु - दुनिया के एक विश्वसनीय मित्र - के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करने की हमारी आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करती है।

यह वर्ष परिवर्तनकारी रहा है। भारत दुनिया में सबसे तेज़ गति से 5जी सेवा शुरू करने वाला देश बनकर उभरा है, जो अब 99.9% ज़िलों में उपलब्ध है और लगभग पाँच लाख 5जी बेस स्टेशनों द्वारा संचालित है। संशोधित भारत नेट कार्यक्रम के माध्यम से, 6.94 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर अब 2.14 लाख ग्राम पंचायतों को जोड़ता है, जिससे ग्रामीण भारत एक डिजिटल पावरहाउस बन गया है। 4जी सेचुरेशन परियोजना के तहत 12,700 से अधिक टावर चालू किए गए हैं, जिससे 18,600 गाँवों को कनेक्टिविटी मिली है, जिनमें से कई गाँव पहली बार जुड़े हैं।

यहां तक कि हमारे सुदूर द्वीप जो अब हमारी पहुंच से बाहर नहीं हैं और जिसमें- कोच्चि-लक्षद्वीप सबमरीन केबल परियोजना शामिल है, वहां 5जी और एफटीटीएच सेवाओं की शुरुआत की गई हैं, जिससे बैंडविड्थ में पांच गुना से अधिक की वृद्धि हुई है और हमारे दूर-दराज के समुदायों को भारत की डिजिटल मुख्यधारा में शामिल किया गया है।

इस यात्रा में निर्णायक क्षण वह था जब माननीय प्रधान मंत्री जी ने भारत के स्वदेशी रूप से विकसित बीएसएनएल 4जी स्टैक का उद्घाटन किया - जो हमारे आत्मनिर्भर भारत के प्रयास में एक मील का पत्थर है। इस उपलब्धि के साथ, भारत वैश्विक स्तर पर केवल पाँच देशों के विशिष्ट समूह में शामिल हो गया, जो अपनी 4जी कोर तकनीक को डिजाइन, विकसित और तैनात करने की क्षमता रखते हैं। इसके शुभारंभ के दिन, पूरे देश में एक साथ एक लाख 4जी टावर चालू किए गए, जिससे दो करोड़ से अधिक लोग भारत के डिजिटल दायरे में आ गए – जिनमें अधिकांश दूरदराज, सेवा से वंचित क्षेत्र हैं। ऐसे समय से जब भारत 2जी कनेक्टिविटी के लिए संघर्ष कर रहा था, हमने अब लगभग सार्वभौमिक 5जी कवरेज हासिल कर लिया है। यह मेड-इन-इंडिया 4जी स्टैक डिजिटल आत्मनिर्भरता और तकनीकी स्वतंत्रता के प्रकाशस्तंभ के रूप में खड़ा है और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करता है तथा हमारे इंडिया 6जी विजन 2030 में सहायक है।

हमारे सुधारों ने इस प्रगति की नींव रखी है। दूरसंचार अधिनियम, 2023 ने औपनिवेशिक काल के कानूनों की जगह आधुनिक, प्रौद्योगिकी-तटस्थ फ्रेमवर्क स्थापित किया है जो नवाचार को बढ़ावा देता है, स्पेक्ट्रम मैनेजमेंट को मज़बूत करता है और प्रयोक्ता के अधिकारों की रक्षा करता है। दूरसंचार (सेवाओं का अस्थायी निलंबन) नियम, 2024 यह सुनिश्चित करते हैं कि जवाबदेही के माध्यम से सुरक्षा और स्वतंत्रता का संतुलन बना रहे। गतिशक्ति संचार पोर्टल ने मार्गाधिकार अनुमोदन की अवधि को 448 दिनों से घटाकर केवल 33 दिन कर दिया है, जो पारदर्शिता और गति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

सुरक्षा सर्वोपरि है। संचार साथी पोर्टल और ऐप ने 20 करोड़ से ज़्यादा नागरिकों को खोए हुए फोन ब्लॉक करने, सिम कार्ड सत्यापित करने और धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने का अधिकार दिया है। 75 से ज़्यादा संगठनों को एकजुट करने वाले डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफ़ॉर्म ने 200 करोड़ से ज़्यादा की वित्तीय धोखाधड़ी रोकने में मदद की है।

नवाचार हमारी प्रेरक शक्ति बना हुआ है। दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकास कोष ने 500 करोड़ रूपये मूल्य की परियोजनाओं में सहयोग किया है, जिसमें 6जी अनुसंधान के लिए 200 करोड़ रूपये शामिल हैं, जो भारत में अगली पीढ़ी के नवाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। पीएलआई स्कीम ने 4,516 करोड़ रूपये के निवेश, 91,125 करोड़ रूपये की बिक्री, 17,809 करोड़ रूपये के निर्यात और 29,000 नए रोज़गार को बढ़ावा दिया है, जिससे दूरसंचार निर्माण में भारत की वैश्विक उपस्थिति मज़बूत हुई है।

दिनांक 8-11 अक्टूबर तक आयोजित इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 ने नवाचार और सहयोग के हब के रूप में भारत उदय को प्रदर्शित करते हुए एक और मील का पत्थर स्थापित किया। आईएमसी 2025 ऐप के लॉन्च के साथ, यह आयोजन 5जी, 6जी, एआई, सैटकॉम और साइबर सुरक्षा के भविष्य पर ग्लोबल लीडर्स, स्टार्टअप्स और निवेशकों को एकजुट करने वाला जीवंत मंच बन गया।

हमारी उपलब्धि इस सत्य की पुष्टि करती है कि - भारत की दूरसंचार क्रांति केवल तीव्रतर नेटवर्क या नई प्रौद्योगिकियों तक सीमित नहीं है। यह आपके - इस बदलाव के केंद्र में रहने वाले नागरिकों के बारे में है। चाहे वह ग्रामीण कक्षा का छात्र हो, शहर का स्टार्टअप इनोवेटर हो, या डिजिटल टूल्स अपनाने वाला किसान हो, प्रत्येक भारतीय डिजिटल भारत की इस कहानी का महत्वपूर्ण सूत्र है।

आइए हम सब मिलकर विश्वास, नवाचार और लक्षित उद्देश्य के साथ ऐसे भविष्य का निर्माण सुनिश्चित करें जिससे देश के हर कोने में हर भारतीय को हमारे जुड़े हुए कल के असीम वादे का लाभ मिले।

जय हिंद
आपका,
ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया
संचार मंत्री, भारत सरकार

కమ్యూనికేషన్స్ మంత్రిత్వ శాఖ
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

కమ్యూనికేషన్ల శాఖా మంత్రి సందేశం

నమస్కారం!

గత సంవత్సరం భారత టెలికాం ప్రయాణంలో ఒక ఉజ్వలమైన అధ్యాయం. ఇది సాహసోపేతమైన సంస్కరణలు, సమ్మిళిత వృద్ధి, స్వదేశీ ఆవిష్కరణలు, ప్రపంచ నాయకత్వం దిశగా నిర్ణయాత్మక ముందడుగు పడిన కాలం. మన గౌరవనీయ ప్రధానమంత్రి శ్రీ నరేంద్ర మోదీ గారి దార్శనిక నాయకత్వం ద్వారా మేం సవాళ్లను అవకాశాలుగా, అవకాశాలను డిజిటల్ భారత్ దిశగా సాగుతున్న మా సమష్టి మార్గంలో మైలురాళ్లుగా మార్చాం.

గౌరవనీయ ప్రధానమంత్రి మార్గదర్శకత్వంలో టెలికమ్యూనికేషన్ల విభాగం సమ్మిళితం, వేగం, భద్రత, సమృద్ధి అనే సూత్రాలను స్వీకరించింది. ఈ భావనలు మా లక్ష్యాన్ని మరింత ప్రకాశవంతం చేస్తూ... మేం చేపట్టే ప్రతి కార్యక్రమానికి ఆధారంగా ఉన్నాయి. డిజిటల్ యుగంలో మారుమూల ప్రాంతాలకు చెందిన వారు సహా ఎవరూ వెనకబడి ఉండకూడదనే మా నిబద్ధతను సమ్మిళిత భావన ప్రతిబింబిస్తుంది.

నిర్ణయాత్మక చర్యల ద్వారా ప్రజల జీవన స్థితిని, వ్యాపార నిర్వహణ తీరును మెరుగుపరచాల్సిన మన ఆవశ్యకతను వేగం అనే భావన ప్రతిబింబిస్తుంది. నెట్‌వర్క్‌లను మాత్రమే కాకుండా ప్రతి భారతీయుడి విశ్వాసాన్ని, డేటాను రక్షించడం మన కర్తవ్యమని భద్రత అనే భావన మనకు గుర్తు చేస్తుంది. ఆవిష్కరణలను పెంపొందించడం, స్వయం-సమృద్ధి సాధించడం, ప్రపంచానికి విశ్వసనీయ నేస్తంగా, విశ్వబంధుగా భారత్ స్థాయిని బలోపేతం చేయాలనే మన ఆకాంక్షను సమృద్ధి భావన సూచిస్తుంది.

ఈ సంవత్సరం మంచి పరివర్తన సాధ్యమైంది. ప్రపంచంలోనే అత్యంత వేగంగా 5జీ సేవలను అమలు చేసిన దేశంగా భారత్ అవతరించింది. ఇప్పుడు దాదాపు అయిదు లక్షల 5జీ బేస్ స్టేషన్లతో శక్తితో 99.9 శాతం జిల్లాల్లో 5జీ సేవలు అందుబాటులో ఉన్నాయి. నవరించిన భారత నెట్ ప్రోగ్రామ్ ద్వారా 6.94 లక్షల కిలోమీటర్లకు పైగా ఆప్టికల్ ఫైబర్ ఇప్పుడు 2.14 లక్షల గ్రామ పంచాయతీలను అనుసంధానిస్తోంది. గ్రామీణ భారతాన్ని డిజిటల్ పవర్‌హౌస్‌గా మారుస్తోంది. 4జీ సాచురేషన్ ప్రాజెక్ట్ ద్వారా 12,700 టవర్లను ప్రారంభించి, 18,600 గ్రామాలకు కనెక్టివిటీని అందుబాటులోకి తెచ్చాం. వీటిలో చాలా గ్రామాలకు మొదటిసారిగా కనెక్టివిటీ లభించింది.

మన మారుమూల దీవుల్లో కూడా ఇకమీదట నెట్‌వర్క్ సమస్యలు ఉండవు. కొచ్చి-లక్షద్వీప్ సబ్‌మెరైన్ కేబుల్ ప్రాజెక్ట్‌తో సహా 5జీ, ఎఫ్‌టీటీహెచ్ సేవల ప్రారంభంతో బ్యాండ్‌విడ్త్ ఐదు రెట్లు పెరిగింది, దేశంలోని సుదూర కమ్యూనిటీలను ఇది భారత డిజిటల్ స్రవంతిలోకి చేర్చింది.

స్వదేశీ పరిజ్ఞానంతో అభివృద్ధి చేసిన బీఎస్ఎన్ఎల్ 4జీ స్టాక్‌ను గౌరవనీయ ప్రధానమంత్రి ప్రారంభించడం ఒక నిర్ణయాత్మక సందర్భం. ఇది మన ఆత్మనిర్భర్ భారత్ సాధనలో కీలక ముందడుగు. ఈ విజయంతో తన సొంత 4జీ కోర్ టెక్నాలజీని రూపొందించగల, అభివృద్ధి చేయగల, అమలు చేయగల సామర్థ్యం కలిగిన ప్రపంచంలోని ఐదు దేశాల సరసన భారత్ చేరింది. ప్రారంభం రోజునే దేశవ్యాప్తంగా ఏకకాలంలో లక్ష 4జీ టవర్లు యాక్టివేట్ అయ్యి... రెండు కోట్లకు పైగా ప్రజలను భారత డిజిటల్ వర్గంలోకి తీసుకువచ్చాయి. వీరిలో చాలా మంది మారుమూల ప్రాంతాలకు చెందినవారు, గతంలో కనెక్టివిటీ లేని ప్రాంతాలకు చెందినవారే. భారత్ 2జీ కనెక్టివిటీతో ఇబ్బంది పడిన సమయం నుంచి ఇప్పుడు మనం దాదాపు సార్వత్రిక 5జీ కవరేజీని సాధించాం. ఈ మేడ్-ఇన్-ఇండియా 4జీ స్టాక్ డిజిటల్ స్వావలంబనను, సాంకేతిక స్వాతంత్ర్యానికి మార్గదర్శనం చేస్తుంది. ప్రపంచంతో పోటీపడేలా భారత సామర్థ్యాన్ని మరింత బలోపేతం చేస్తుంది. 2030 నాటికి 6జీ సేవలు అందుబాటులోకి తేవాలనే భారత దార్శనికతకు ఇది ఊతమిస్తుంది.

మా సంస్కరణలు ఈ పురోగతికి పునాది వేశాయి. వలసరాజ్యాల యుగం నాటి చట్టాల స్థానంలో ఆధునిక, సాంకేతికంగా-తటస్థమైన విధానాలను టెలికమ్యూనికేషన్స్ చట్టం-2023 అందుబాటులోకి తెచ్చింది. ఇది ఆవిష్కరణలను ప్రోత్సహిస్తుంది... స్పెక్ట్రమ్ నిర్వహణను బలోపేతం చేస్తుంది... వినియోగదారుల హక్కులను పరిరక్షిస్తుంది. టెలికమ్యూనికేషన్స్ (సేవల తాత్కాలిక నస్పెన్షన్) నియమాలు-2024 జవాబుదారీతనం ద్వారా భద్రత, స్వేచ్ఛల సమతుల్యతను నిర్ధారిస్తాయి. గతిశక్తి సంచార్ పోర్టల్... రైట్ ఆఫ్ వే ఆమోదాలను 448 రోజుల నుంచి కేవలం 33 రోజులకు తగ్గించింది. ఇది పారదర్శకత, వేగం పట్ల మా నిబద్ధతకు నిదర్శనం.

భద్రత ఇప్పటికే చాలా ముఖ్యమైనది. సంచార్ సాథీ పోర్టల్, యాప్ 20 కోట్ల మంది పౌరులకు వారు పోగొట్టుకున్న ఫోన్‌లను బ్లాక్ చేయడానికి, వారి పేరుతో గల సిమ్‌లను ధృవీకరించడానికి, మోసాన్ని నివేదించడానికి వీలు కల్పించాయి. 75కు పైగా సంస్థలను ఏకం చేస్తూ ఏర్పాటు చేసిన డిజిటల్ ఇంటెలిజెన్స్ ప్లాట్‌ఫామ్ రూ. 200 కోట్లకు పైగా ఆర్థిక మోసాలను నివారించడంలో సహాయపడింది.

ఆవిష్కరణలు మన దేశాన్ని ముందుకు నడిపిస్తున్నాయి. టెలికాం టెక్నాలజీ డెవలప్‌మెంట్ ఫండ్ రూ. 500 కోట్ల విలువైన ప్రాజెక్టులకు మద్దతునిచ్చింది. వీటిలో 200 కోట్లు 6జీ పరిశోధనల కోసం, దేశంలో తదుపరి తరం ఆవిష్కరణలను పెంపొందించడానికి ఉపయోగపడతాయి. పీఎల్ఐ పథకం రూ. 4,516 కోట్ల పెట్టుబడులను, రూ. 91,125 కోట్ల అమ్మకాలను, 17,809 కోట్ల ఎగుమతులను, 29,000 కొత్త ఉద్యోగాలను అందించింది. ప్రపంచ టెలికాం తయారీ రంగంలో భారత్ స్థానాన్ని మరింత బలోపేతం చేసింది.

అక్టోబర్ 6-11 వరకు జరిగిన ఇండియా మొబైల్ కాంగ్రెస్-2025 ఆవిష్కరణలు-సహకార కేంద్రంగా భారత్ ఎదుగుదలను ప్రదర్శించింది. ఐఎమ్‌సీ-2025 యాప్ ప్రారంభంతో ఈ కార్యక్రమం 5జీ, 6జీ, ఏఐ, సాట్‌కామ్, సైబర్ భద్రతల భవిష్యత్తు కోసం ప్రపంచ నాయకులు, అంకురసంస్థలు, పెట్టుబడిదారులను ఏకం చేసే శక్తిమంతమైన వేదికగా మారింది.

మనం సాధించే ప్రతి విజయం ఒక సత్యాన్ని స్మరిస్తుంది. భారత టెలికాం విప్లవం కేవలం వేగవంతమైన నెట్‌వర్క్‌లు... కొత్త టెక్నాలజీల గురించినది మాత్రమే కాదు. ఈ పరివర్తనకు కేంద్రంగా ఉన్న ప్రజల గురించినది. గ్రామీణ ప్రాంతంలో చదివే విద్యార్థి అయినా... నగరంలోని అంకురసంస్థలకు చెందిన ఆవిష్కర్తలు అయినా... డిజిటల్ సాధనాలను స్వీకరించే రైతు అయినా... డిజిటల్ భారత్ కథలో ప్రతి భారతీయుడు కీలక భాగస్వామిగా ఉంటారు.

ముందుకు సాగుతున్న కొద్దీ మనం నమ్మకం, ఆవిష్కరణలు, ఉద్దేశాలతో భవిష్యత్తు నిర్మాణం కోసం ఐక్యంగా కృషి చేద్దాం. మన అనుసంధానిత భవిత హామీ ద్వారా దేశంలోని ప్రతి మూలలో ఉన్న ప్రతి భారతీయుడు ప్రయోజనం పొందేలా చూసుకుందాం.

జై హింద్!
ఇట్లు మీ భవదీయులు,
జ్యోతిరాదిత్య ఎమ్. సింధియా
కేంద్ర కమ్యూనికేషన్స్ శాఖ మంత్రి, భారత ప్రభుత్వం

ಸಂವಹನ ಸಚಿವಾಲಯ
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

ಸಂವಹನ ಸಚಿವರ ಸಂದೇಶ

ನಮಸ್ಕಾರ!

ಕಳೆದ ವರ್ಷವು ಭಾರತದ ಟೆಲಿಕಾಂ ಪ್ರಯಾಣದಲ್ಲಿ ಒಂದು ಅಜ್ಜಲ ಅಧ್ಯಾಯವೇ ಹೌದು. ದಿಟ್ಟ ಸುಧಾರಣೆಗಳು, ಸರ್ವತೋಮುಖ ಬೆಳವಣಿಗೆ, ಸ್ವಕೀಯ ನಾವೀನ್ಯತೆ ಮತ್ತು ಜಾಗತಿಕ ನಾಯಕತ್ವದತ್ತ ನಿರ್ಣಾಯಕ ದಾಪುಗಾಲಿನ ಮೂಲಕ ಈ ಅವಧಿಯನ್ನು ವ್ಯಾಖ್ಯಾನಿಸಬಹುದು. ನಮ್ಮ ಗೌರವಾನ್ವಿತ ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿ ಶ್ರೀ ನರೇಂದ್ರ ಮೋದಿ ಅವರ ದೂರದೃಷ್ಟಿಯ ನಾಯಕತ್ವದ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನದಲ್ಲಿ, ನಾವು "ಡಿಜಿಟಲ್ ಭಾರತ"ದತ್ತ ನಮ್ಮ ಹಾದಿಯಲ್ಲಿನ ನವಾಲುಗಳನ್ನು ಅವಕಾಶಗಳಾಗಿ ಮತ್ತು ಅವಕಾಶಗಳನ್ನು ಮೈಲುಗಲ್ಲುಗಳಾಗಿ ಪರಿವರ್ತಿಸಿದ್ದೇವೆ.

ಗೌರವಾನ್ವಿತ ಪ್ರಧಾನ ಮಂತ್ರಿಯವರ ಪ್ರಬುದ್ಧ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನದಲ್ಲಿ, ದೂರಸಂಪರ್ಕ ಇಲಾಖೆಯು "ಸಮಾವೇಶಿತ" (ಸೇರ್ಪಡೆ), "ತ್ವರಿತ" (ವೇಗ), "ಸುರಕ್ಷಿತ" (ಭದ್ರತೆ) ಮತ್ತು "ಸಮೃದ್ಧಿ"(ಸಮೃದ್ಧಿ) ತತ್ವವನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಇವು ನಮ್ಮ ಧ್ಯೇಯವನ್ನು ಅಜ್ಜಲವಾಗಿಸುವ ತತ್ವಗಳೂ ಹೌದು. ಇಂದಿನ ಡಿಜಿಟಲ್ ಯುಗದಲ್ಲಿ, ಯಾವುದೇ ಪ್ರಜೆಯು, ಅವರು ಎಷ್ಟೇ ದೂರದಲ್ಲಿದ್ದರೂ ಹಿಂದೆ ಉಳಿಯದಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳುವ ನಮ್ಮ ಬದ್ಧತೆಯನ್ನು "ಸಮಾವೇಶಿತ" ತತ್ವವು ಪ್ರತಿಬಿಂಬಿಸುತ್ತದೆ.

ಕ್ಷಿಪ್ರ, ನಿರ್ಣಾಯಕ ಕ್ರಮದ ಮೂಲಕ ಸುಗಮ ಜೀವನ ಮತ್ತು ಸುಗಮ ವ್ಯಾಪಾರವನ್ನು ಸುಧಾರಿಸುವ ನಮ್ಮ ತುರ್ತು ಅಗತ್ಯವನ್ನು "ತ್ವರಿತ" ತತ್ವವು ಸಾಕಾರಗೊಳಿಸುತ್ತದೆ. ಸಂಪರ್ಕ ಜಾಲಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರವಲ್ಲದೆ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಭಾರತೀಯನ ನಂಬಿಕೆ ಮತ್ತು ದತ್ತಾಂಶವನ್ನು ಸುರಕ್ಷಿತಗೊಳಿಸುವ ನಮ್ಮ ಕರ್ತವ್ಯವನ್ನು "ಸುರಕ್ಷಿತ" ನಮಗೆ ನೆನಪಿಸುತ್ತದೆ. ನಾವೀನ್ಯತೆಯನ್ನು ಉತ್ತೇಜಿಸುವ, ಸ್ವಾವಲಂಬನೆಯನ್ನು ಸಾಧಿಸುವ ಮತ್ತು ವಿಶ್ವಬಂಧು - ಜಗತ್ತಿಗೆ ವಿಶ್ವಾಸಾರ್ಹ ಸ್ನೇಹಿತನಾಗಿ ಭಾರತದ ಸ್ಥಾನಮಾನವನ್ನು ಬಲಪಡಿಸುವ ನಮ್ಮ ಆಕಾಂಕ್ಷೆಯನ್ನು "ಸಮೃದ್ಧಿ" ತತ್ವವು ಪ್ರತಿಬಿಂಬಿಸುತ್ತದೆ.

ಈ ವರ್ಷವು ಪರಿವರ್ತನಾತ್ಮಕವಾದುದು. ಭಾರತವು ವಿಶ್ವದಲ್ಲೇ ಅತ್ಯಂತ ವೇಗವಾಗಿ "5ಜಿ" ಯನ್ನು ಜಾರಿಗೊಳಿಸಿದ ದೇಶವಾಗಿ ಹೊರಹೊಮ್ಮಿದೆ. "5ಜಿ" ಈಗ ದೇಶದ ಶೇ.99.9 ರಷ್ಟು ಜಿಲ್ಲೆಗಳಲ್ಲಿ ಲಭ್ಯವಿದೆ, ಸುಮಾರು ಐದು ಲಕ್ಷ "5ಜಿ" ಬೇಸ್ ಸ್ಟೇಷನ್‌ಗಳಿಂದ ಇದು ಬೆಂಬಲಿತವಾಗಿದೆ. ಪರಿಷ್ಕೃತ "ಭಾರತ್‌ನೆಟ್" ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಮೂಲಕ 6.94 ಲಕ್ಷ ಕಿಲೋಮೀಟರ್‌ಗಿಂತಲೂ ಹೆಚ್ಚು ಉದ್ದದ "ಆಪ್ಟಿಕಲ್ ಫೈಬರ್" ಜಾಲವು ಈಗ 2.14 ಲಕ್ಷ ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯಿತಿಗಳನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸುತ್ತದೆ. ಆ ಮೂಲಕ ಗ್ರಾಮೀಣ ಭಾರತವನ್ನು ಡಿಜಿಟಲ್ ಶಕ್ತಿ ಕೇಂದ್ರವಾಗಿ ಪರಿವರ್ತಿಸುತ್ತದೆ. "4ಜಿ"ಅನುಷ್ಠಾನ ಪರಿಪೂರ್ಣತೆ ಯೋಜನೆಯಡಿ 12,700 ಕ್ಕೂ ಹೆಚ್ಚು ಟವರ್‌ಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಲಾಗಿದ್ದು, ಇದು 18,600 ಹಳ್ಳಿಗಳಿಗೆ ಸಂಪರ್ಕವನ್ನು ಕಲ್ಪಿಸಿದೆ. ಇವುಗಳಲ್ಲಿ ಅನೇಕವು ಮೊದಲ ಬಾರಿಗೆ ಸಂಪರ್ಕ ಪಡೆದ ಗ್ರಾಮಗಳು ಎಂಬುದು ಗಮನಾರ್ಹ.

ಕೊಚ್ಚಿ-ಲಕ್ಷದ್ವೀಪ ಜಲಾಂತರ್ಗಾಮಿ ಕೇಬಲ್ ಯೋಜನೆಯು "5ಜಿ" ಮತ್ತು "ಎಫ್‌ಟಿಟಿಎಚ್" ಸೇವೆಗಳನ್ನು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದ್ದು, ಬ್ಯಾಂಡ್‌ವಿಡ್ತ್ ಅನ್ನು ಐದು ಪಟ್ಟು ಹೆಚ್ಚಿಸಿದೆ. ಜೊತೆಗೆ ನಮ್ಮ ದೂರದ ಸಮುದಾಯಗಳನ್ನು ಭಾರತದ ಡಿಜಿಟಲ್ ಮುಖ್ಯವಾಹಿನಿಯೊಂದಿಗೆ ಬೆಸೆದಿದೆ.

ಗೌರವಾನ್ವಿತ ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿಯವರು ಭಾರತದ ದೇಶೀಯವಾಗಿ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸಿದ "ಬಿಎಸ್‌ಎನ್‌ಎಲ್" 4ಜಿ ಸೇವೆಗೆ ಇತ್ತೀಚೆಗೆ ಚಾಲನೆ ನೀಡಿದರು. ಇದು ಈ ಪ್ರಯಾಣದಲ್ಲಿನ ಒಂದು ನಿರ್ಣಾಯಕ ಕ್ಷಣವಾಗಿದ್ದು, "ಆತ್ಮನಿರ್ಭರ ಭಾರತ"ದತ್ತ ನಮ್ಮ ಪ್ರಯಾಣದಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹೆಗ್ಗುರುತಾಗಿದೆ. ಈ ಸಾಧನೆಯೊಂದಿಗೆ, ಭಾರತವು ತನ್ನದೇ ಆದ 4ಜಿ ಕೋರ್ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನವನ್ನು ವಿನ್ಯಾಸಗೊಳಿಸಬಲ್ಲ, ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸಬಲ್ಲ, ಮತ್ತು ನಿಯೋಜಿಸಬಲ್ಲ ಸಾಮರ್ಥ್ಯವನ್ನು ಹೊಂದಿರುವ ಜಗತ್ತಿನ ಕೇವಲ ಐದೇ ಐದು ದೇಶಗಳ ಪ್ರತಿಷ್ಠಿತ ಗುಂಪಿಗೆ ಸೇರ್ಪಡೆಗೊಂಡಿದೆ. ಈ ಸೇವೆಗೆ ಚಾಲನೆ ನೀಡುವ ದಿನದಂದು, ದೇಶಾದ್ಯಂತ ಏಕಕಾಲದಲ್ಲಿ, ಒಂದು ಲಕ್ಷ 4ಜಿ ಟವರ್‌ಗಳನ್ನು ಸಕ್ರಿಯಗೊಳಿಸಲಾಯಿತು. ಇದು ಎರಡು ಕೋಟಿಗೂ ಹೆಚ್ಚು ಜನರನ್ನು ಭಾರತದ ಡಿಜಿಟಲ್ ವೇದಿಕೆಗೆ ಸೇರ್ಪಡೆಗೊಳಿಸಿತು – ಈ ಜನರಿಗೆ ಅನೇಕರು ದುರ್ಗಮ ಪ್ರದೇಶದ, ಹಿಂದೆ ಸಂಪರ್ಕವೇ ಲಭ್ಯವಿರದ ಪ್ರದೇಶಗಳಿಂದ ಬಂದವರು. ಭಾರತವು 2ಜಿ ಸಂಪರ್ಕದೊಂದಿಗೆ ಹೆಣಗಾಡುತ್ತಿದ್ದ ಸಮಯದಿಂದ, ನಾವು ಈಗ ಬಹುತೇಕ ಸಾರ್ವತ್ರಿಕವಾಗಿ 5ಜಿ ವ್ಯಾಪ್ತಿಯನ್ನು ಸಾಧಿಸಿದ್ದೇವೆ. ಈ ಮೇಡ್-ಇನ್-ಇಂಡಿಯಾ 4ಜಿ ಸೇವೆಯು ಡಿಜಿಟಲ್ ಸ್ವಾವಲಂಬನೆ ಮತ್ತು ತಾಂತ್ರಿಕ ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯದ ದಾರಿದೀಪವಾಗಿ ನಿಂತಿದೆ. ಇದು ಭಾರತದ ಜಾಗತಿಕ ಸ್ಪರ್ಧಾತ್ಮಕತೆಯನ್ನು ಬಲಪಡಿಸುತ್ತದೆ ಮತ್ತು ನಮ್ಮ ಭಾರತದ "6ಜಿ ವಿಷನ್ -2030"ಗೆ ಶಕ್ತಿ ತುಂಬುತ್ತದೆ.

ನಮ್ಮ ಸುಧಾರಣೆಗಳು ಈ ಪ್ರಗತಿಗೆ ಅಡಿಪಾಯ ಹಾಕಿವೆ. "ದೂರಸಂಪರ್ಕ ಕಾಯ್ದೆ-2023 ಮೂಲಕ ವಸಾಹತುಶಾಹಿ ಯುಗದ ಕಾನೂನುಗಳ ಜಾಗದಲ್ಲಿ, ಆಧುನಿಕ, ತಂತ್ರಜ್ಞಾನ-ಆಧರಿತ ನೀತಿಗಳನ್ನು ಜಾರಿಗೊಳಿಸಲಾಗಿದೆ. ಈ ಕ್ರಮವು ನಾವೀನ್ಯತೆಯನ್ನು ಉತ್ತೇಜಿಸುತ್ತದೆ, ತರಂಗಾಂತರ ನಿರ್ವಹಣೆಯನ್ನು ಬಲಪಡಿಸುತ್ತದೆ ಮತ್ತು ಬಳಕೆದಾರರ ಹಕ್ಕುಗಳನ್ನು ರಕ್ಷಿಸುತ್ತದೆ. "ದೂರಸಂಪರ್ಕ (ಸೇವೆಗಳ ತಾತ್ಕಾಲಿಕ ಅಮಾನತು) ನಿಯಮಗಳು-2024" ಜಾರಿಯು ಉತ್ತರದಾಯಿತ್ವದ ಮೂಲಕ ಭದ್ರತೆ ಮತ್ತು ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯವನ್ನು ಸಮತೋಲನಗೊಳಿಸುವುದನ್ನು ಖಚಿತಪಡಿಸುತ್ತದೆ. "ಗತಿಶಕ್ತಿ ಸಂಚಾರ್ ಪೋರ್ಟಲ್" ವೇದಿಕೆಯು "ರೈಟ್ ಆಫ್ ವೇ" ಅನುಮೋದನೆಗಳಿಗೆ ಹಿಡಿಯುತ್ತಿದ್ದ ಸಮಯವನ್ನು 448 ದಿನಗಳಿಂದ ಕೇವಲ 33 ದಿನಗಳಿಗೆ ಇಳಿಸಿದೆ. ಇದು ಪಾರದರ್ಶಕತೆ ಮತ್ತು ವೇಗದ ವಿಚಾರದಲ್ಲಿ ನಮ್ಮ ಬದ್ಧತೆಗೆ ಉದಾಹರಣೆಯಾಗಿದೆ.

ಭದ್ರತೆಗೆ ಅತ್ಯುನ್ನತ ಪ್ರಧಾನ್ಯತೆ ನೀಡಲಾಗುತ್ತಿದೆ. "ಸಂಚಾರ ಸಾಥಿ" ಪೋರ್ಟಲ್ ಮತ್ತು ತಂತ್ರಾಂಶವು ಕಳೆದುಹೋದ ಫೋನ್‌ಗನ್ನು ನಿರ್ಬಂಧಿಸಲು, ಸಿಮ್ ಪರಿಶೀಲಿಸಲು ಮತ್ತು ವಂಚನೆಯನ್ನು ವರದಿ ಮಾಡಲು 20 ಕೋಟಿಗೂ ಹೆಚ್ಚು ನಾಗರಿಕರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರ ನೀಡಿದೆ. 75ಕ್ಕೂ ಹೆಚ್ಚು ಸಂಸ್ಥೆಗಳನ್ನು ಒಗ್ಗೂಡಿಸುವ "ಡಿಜಿಟಲ್ ಇಂಟೆಲಿಜೆನ್ಸ್" ವೇದಿಕೆಯು, 200 ಕೋಟಿ ರೂ.ಗಳಿಗೂ ಹೆಚ್ಚು ಆರ್ಥಿಕ ವಂಚನೆಗಳನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಲು ಸಹಾಯ ಮಾಡಿದೆ.

ನಾವೀನ್ಯತೆ ನಮ್ಮ ಪ್ರೇರಕ ಶಕ್ತಿಯಾಗಿ ಮುಂದುವರೆದಿದೆ. "ಟೆಲಿಕಾಂ ಟೆಕ್ನಾಲಜಿ ಡೆವಲಪ್ಮೆಂಟ್ ಫಂಡ್" ನಿಧಿಯು 6ಜಿ ಸಂಶೋಧನೆಗಾಗಿ 200 ಕೋಟಿ ರೂ.ಗಳು ಸೇರಿದಂತೆ 500 ಕೋಟಿ ರೂ.ಗಳ ಯೋಜನೆಗಳನ್ನು ಬೆಂಬಲಿಸಿದೆ. ಇದು ಭಾರತದೊಳಗೆ ಮುಂದಿನ ಪೀಳಿಗೆಯ ನಾವೀನ್ಯತೆಗೆ ಬೆಂಬಲ ಒದಗಿಸುತ್ತದೆ. "ಉತ್ಪಾದನೆ ಆಧರಿತ ಪ್ರೋತ್ಸಾಹಧನ"(ಪಿಎಲ್‌ಐ) ಯೋಜನೆಯು 4,516 ಕೋಟಿ ರೂ. ಹೂಡಿಕೆ, 91, 125 ಕೋಟಿ ರೂ. ಮಾರಾಟ ಹಾಗೂ 17,809 ಕೋಟಿ ರೂ. ರಫ್ತಿನ ವೇಗವರ್ಧನೆಗೆ ಕಾರಣವಾಗಿದೆ. ಜೊತೆಗೆ 29,000 ಹೊಸ ಉದ್ಯೋಗ ಸೃಷ್ಟಿ ಮೂಲಕ ದೂರಸಂಪರ್ಕ ಕ್ಷೇತ್ರ ಉತ್ಪಾದನೆಯಲ್ಲಿ ಭಾರತದ ಜಾಗತಿಕ ಹೆಜ್ಜೆಗುರುತನ್ನು ಈ ಯೋಜನೆಯು ಬಲಪಡಿಸಿದೆ.

ಅಕ್ಟೋಬರ್ 8-11ರವರೆಗೆ ನಡೆದ "ಇಂಡಿಯಾ ಮೊಬೈಲ್ ಕಾಂಗ್ರೆಸ್-2025" ಶೃಂಗಸಭೆಯು ನಾವೀನ್ಯತೆ ಮತ್ತು ಸಹಯೋಗದ ಕೇಂದ್ರವಾಗಿ ಭಾರತದ ಏಳಿಗೆಯನ್ನು ಪ್ರದರ್ಶಿಸುವ ಮತ್ತೊಂದು ಮೈಲುಗಲ್ಲನ್ನು ಗುರುತಿಸಿತು. "ಐಎಂಸಿ-2025" ತಂತ್ರಾಂಶ ಬಿಡುಗಡೆಯೊಂದಿಗೆ, ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವು 5ಜಿ, 6ಜಿ, ಎಐ, ಸ್ಮಾರ್ಟ್‌ಕಾಮ್ ಮತ್ತು ಸೈಬರ್ ಸೆಕ್ಯುರಿಟಿಯ ಭವಿಷ್ಯದ ವಿಚಾರದಲ್ಲಿ ಜಾಗತಿಕ ನಾಯಕರು, ನವೋದ್ಯಮಗಳು ಮತ್ತು ಹೂಡಿಕೆದಾರರನ್ನು ಒಂದುಗೂಡಿಸುವ ರೋಮಾಂಚಕ ವೇದಿಕೆಯಾಯಿತು.

ನಾವು ಸಾಧಿಸುವ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಮೈಲುಗಲ್ಲು ಸಹ ಒಂದು ಸತ್ಯವನ್ನು ಪುನರುಚ್ಚರಿಸುತ್ತದೆ - ಭಾರತದ ಟೆಲಿಕಾಂ ಕ್ರಾಂತಿಯು ಕೇವಲ ವೇಗದ ನೆಟ್‌ವರ್ಕ್ ಅಥವಾ ಹೊಸ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳಿಗೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ್ದಲ್ಲ. ಇದು ನಿಮ್ಮ ಬಗ್ಗೆ.- ಈ ಪರಿವರ್ತನೆಯ ಕೇಂದ್ರಬಿಂದುವಾಗಿರುವ ನಾಗರಿಕರಿಗೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ್ದು. ಅದು ಗ್ರಾಮೀಣ ಶಾಲೆಗಳ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಯಾಗಿರಲಿ, ನಗರದ ಸ್ಮಾರ್ಟ್‌ಅಪ್ ನವೋದ್ಯಮಿಯಾಗಿರಲಿ ಅಥವಾ ಡಿಜಿಟಲ್ ಪರಿಕರಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ರೈತನಾಗಿರಲಿ, ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಭಾರತೀಯನೂ ಡಿಜಿಟಲ್ ಭಾರತದ ಯಶೋಗಾಥೆಯಲ್ಲಿ ಪ್ರಮುಖ ಭಾಗವಾಗಿದ್ದಾರೆ.

ನಾವು ನಮ್ಮ ಮುಂದಿನ ಹಾದಿಯುದ್ದಕ್ಕೂ, ನಂಬಿಕೆ, ನಾವೀನ್ಯತೆ ಮತ್ತು ಉದ್ದೇಶದೊಂದಿಗೆ ಈ ಭವಿಷ್ಯ ನಿರ್ಮಾಣವನ್ನು ಮುಂದುವರಿಸೋಣ. ದೇಶದ ಮೂಲೆ ಮೂಲೆಯಲ್ಲಿರುವ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಭಾರತೀಯರೂ ನಮ್ಮ ಸಂಪರ್ಕಿತ ನಾಳೆಯ ಅನಂತ ಭರವಸೆಯಿಂದ ಪ್ರಯೋಜನ ಪಡೆಯುವುದನ್ನು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳೋಣ.

ಜೈ ಹಿಂದ್!
ನಿಮ್ಮ ವಿಧೇಯ,
ಜ್ಯೋತಿರಾದಿತ್ಯ ಎಂ.ಸಿಂಧಿಯಾ
ಸಂವಹನ ಸಚಿವರು, ಭಾರತ ಸರ್ಕಾರ

સંચાર મંત્રાલય
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

સંદેશાવ્યવહાર મંત્રીનો સંદેશ

નમસ્કાર!

ભારતની ટેલિકોમ સફરમાં છેલ્લું વર્ષ એક તેજસ્વી પ્રકરણ રહ્યું છે, જે બોલ્ડ સુધારાઓ, સમાવિષ્ટ વૃદ્ધિ, સ્વદેશી નવીનતા અને વૈશ્વિક નેતૃત્વ તરફ નિર્ણાયક છલાંગ દ્વારા વ્યાખ્યાયિત સમયગાળો છે. આપણા માનનીય પ્રધાનમંત્રી શ્રી નરેન્દ્ર મોદીજીના દૂરંદેશી નેતૃત્વના માર્ગદર્શન હેઠળ , આપણે ડિજિટલ ભારત તરફના આપણા સહિયારા માર્ગ પર પડકારોને તકોમાં અને તકોને સીમાચિહ્નોમાં પરિવર્તિત કર્યા છે.

માનનીય પ્રધાનમંત્રીના પ્રબુદ્ધ માર્ગદર્શન હેઠળ, ટેલિકોમ્યુનિકેશન વિભાગે સમાવેષિત (સમાવેશ), ત્વરિત (ગતિ), સુરક્ષિત (સુરક્ષા) અને સમૃદ્ધિ (સમૃદ્ધિ) ની ભાવના અપનાવી છે, જે સિદ્ધાંતો આપણા મિશનને પ્રકાશિત કરે છે અને આપણે હાથ ધરેલી દરેક પહેલને ટેકો આપે છે. સમાવેષિત ડિજિટલ યુગમાં કોઈપણ નાગરિક, ગમે તેટલો દૂરનો હોય, પાછળ ન રહી જાય તેની ખાતરી કરવાની અમારી પ્રતિબદ્ધતા દર્શાવે છે.

ત્વરિત, નિર્ણાયક પગલાં દ્વારા જીવન જીવવાની સરળતા અને વ્યવસાય કરવાની સરળતામાં સુધારો કરવાની આપણી તાકીદનું પ્રતિનિધિત્વ કરે છે. સુરક્ષિત, આપણને ફક્ત નેટવર્ક જ નહીં પરંતુ દરેક ભારતીયના વિશ્વાસ અને ડેટાને સુરક્ષિત કરવાની આપણી ફરજની યાદ અપાવે છે. સમૃદ્ધિ, નવીનતાને પ્રોત્સાહન આપવાની, આત્મનિર્ભરતા વધારવાની અને વિશ્વના વિશ્વસનીય મિત્ર, વિશ્વબંધુ તરીકે ભારતનું કદ મજબૂત બનાવવાની આપણી આકાંક્ષાનું પ્રતિનિધિત્વ કરે છે.

આ વર્ષ પરિવર્તનશીલ રહ્યું છે. ભારત 5G શરૂ કરનાર વિશ્વનો સૌથી ઝડપી દેશ તરીકે ઉભરી આવ્યો છે, જે હવે 99.9% જિલ્લાઓમાં ઉપલબ્ધ છે , જે લગભગ પાંચ લાખ 5G બેઝ સ્ટેશનો દ્વારા સંચાલિત છે. સુધારેલા ભારત નેટ પ્રોગ્રામ દ્વારા, 6.94 લાખ કિલોમીટરથી વધુ ઓપ્ટિકલ ફાઇબર હવે 2.14 લાખ ગ્રામ પંચાયતોને જોડે છે, જે ગ્રામીણ ભારતને ડિજિટલ પાવરહાઉસમાં ફેરવે છે. 4G સેચ્યુરેશન પ્રોજેક્ટ દ્વારા 12,700 થી વધુ ટાવર કાર્યરત કરવામાં આવ્યા છે, જે 18,600 ગામડાઓમાં કનેક્ટિવિટી લાવે છે, જેમાંથી ઘણા પહેલી વાર છે.

આપણા સૌથી દૂરના ટાપુઓ પણ હવે પહોંચથી દૂર નથી. જેમાં કોચી-લક્ષદ્વીપ સબમરીન કેબલ પ્રોજેક્ટે 5G અને FTTH સેવાઓનો પ્રારંભ થયો છે, જેનાથી બેન્ડવિડથ પાંચ ગણી વધી ગઇ છે અને આપણા દૂરના સમુદાયોને ભારતના ડિજિટલ મુખ્ય પ્રવાહમાં જોડ્યા છે.

આ યાત્રામાં એક નિર્ણાયક ક્ષણ એ હતી જ્યારે માનનીય પ્રધાનમંત્રીએ ભારતના સ્વદેશી રીતે વિકસિત BSNL 4G સ્ટેકનું ઉદ્ઘાટન કર્યું - જે આત્મનિર્ભર ભારતના અમારા પ્રયાસમાં એક સીમાચિહ્નરૂપ છે. આ સિદ્ધિ સાથે, ભારત વૈશ્વિક સ્તરે ફક્ત પાંચ દેશોના એવા ઉચ્ચ જૂથમાં જોડાઇ ગયું છે જે તેની પોતાની 4G કોર ટેક્નોલોજી ડિઝાઇન, વિકાસ અને ઊભી કરવાની ક્ષમતા ધરાવે છે. લોન્ચના દિવસે, સમગ્ર દેશમાં એક લાખ 4G ટાવર એકસાથે સક્રિય થયા હતા, જેનાથી બે કરોડથી વધુ લોકો ભારતના ડિજિટલ ફોલ્ડમાં આવ્યા હતા - ઘણા દૂરના, અગાઉ સંપર્કવિહોણા ક્ષેત્રના હતા. એક સમય જ્યારે ભારત 2G કનેક્ટિવિટી સાથે સંઘર્ષ કરી રહ્યું હતું, ત્યારે આપણે હવે લગભગ સાર્વત્રિક 5G કવરેજ પ્રાપ્ત કર્યું છે. આ મેડ-ઇન-ઇન્ડિયા 4G સ્ટેક ડિજિટલ સ્વ-નિર્ભરતા અને તકનીકી સ્વતંત્રતાની દીવાદાંડી તરીકે ઊભો છે, જે ભારતની વૈશ્વિક સ્પર્ધાત્મકતાને મજબૂત બનાવે છે અને આપણા ભારત 6G વિઝન 2030 ને સમર્થન આપે છે.

અમારા સુધારાઓએ આ પ્રગતિનો પાયો નાખ્યો છે. ટેલિકોમ્યુનિકેશન્સ એક્ટ, 2023 એ વસાહતી યુગના કાયદાઓને આધુનિક, ટેક્નોલોજી-તટસ્થ માળખા સાથે બદલ્યા છે. જે નવીનતાને પ્રોત્સાહન આપે છે, સ્પેક્ટ્રમ મેનેજમેન્ટને મજબૂત બનાવે છે અને વપરાશકર્તા અધિકારોનું રક્ષણ કરે છે. ટેલિકોમ્યુનિકેશન્સ (સેવાઓનું કામચલાઉ સસ્પેન્શન) નિયમો, 2024 ખાતરી કરે છે કે જવાબદારી દ્વારા સુરક્ષા અને સ્વતંત્રતાનો ઉકેલ લાવવામાં આવે છે. ગતિશક્તિ સંચાર પોર્ટલે અધિકાર મંજૂરીઓની સમય મર્યાદા 448 દિવસથી ઘટાડીને માત્ર 33 દિવસ કરી છે, જે પારદર્શિતા અને ગતિ પ્રત્યેની અમારી પ્રતિબદ્ધતાનું ઉદાહરણ છે.

સુરક્ષા સર્વોપરી છે. સંચાર સાથી પોર્ટલ અને એપ દ્વારા 20 કરોડથી વધુ નાગરિકોને ખોવાયેલા ફોન બ્લોક કરવા, સિમ યકાસવા અને છેતરપિંડીની જાણ કરવાની સત્તા આપવામાં આવી છે. 75+ સંસ્થાઓને એક કરીને ડિજિટલ ઇન્ટેલિજન્સ પ્લેટફોર્મે ₹200 કરોડથી વધુની નાણાકીય છેતરપિંડીને રોકવામાં મદદ કરી છે.

નવીનતા એ આપણી પ્રેરક શક્તિ છે. ટેલિકોમ ટેક્નોલોજી ડેવલપમેન્ટ ફંડે 2500 કરોડના પ્રોજેક્ટ્સને ટેકો આપ્યો છે. જેમાં 6G સંશોધન માટે 200 કરોડનો સમાવેશ થાય છે, જે ભારતમાં આગામી પેઢીના નવીનતાને પ્રોત્સાહન આપે છે. PLI યોજનાએ ₹4,516 કરોડના રોકાણ, 91,125 કરોડના વેચાણ, 17,809 કરોડના નિકાસ અને 29,000 નવી નોકરીઓનું ઉત્પ્રેરક બનાવ્યું છે, જેનાથી ટેલિકોમ ઉત્પાદનમાં ભારતની વૈશ્વિક હાજરી મજબૂત થઇ છે .

8-11 ઓક્ટોબર દરમિયાન યોજાયેલ ઇન્ડિયા મોબાઇલ કોંગ્રેસ 2025, નવીનતા અને સહયોગના કેન્દ્ર તરીકે ભારતના ઉદયને દર્શાવતી વધુ એક સીમાચિહ્નરૂપ બની, IMC 2025 એપના લોન્ચ સાથે, આ ઇવેન્ટ 5G, 6G, AI, Satcom અને સાયબર સુરક્ષાના ભવિષ્યની આસપાસ વૈશ્વિક નેતાઓ, સ્ટાર્ટઅપ્સ અને રોકાણકારોને એક કરવા માટે એક જીવંત પ્લેટફોર્મ બની ગયું.

આપણે જે પણ સીમાચિહ્ન હાંસલ કરીએ છીએ તે એ સત્યની ફરી ખાતરી આપે છે કે ભારતની ટેલિકોમ ક્રાંતિ ફક્ત ઝડપી નેટવર્ક્સ કે નવી ટેક્નોલોજીઓ વિશે નથી. તે તમારા વિશે છે — આ પરિવર્તનના કેન્દ્રમાં રહેલા નાગરિક વિષે છે. પછી ભલે તે ગ્રામીણ વર્ગખંડમાંનો વિદ્યાર્થી હોય, શહેરમાં સ્ટાર્ટઅપ ઇનોવેટર હોય, કે પછી ડિજિટલ સાધનો અપનાવતો ખેડૂત હોય, દરેક ભારતીય ડિજિટલ ભારતની વાર્તામાં એક મહત્વપૂર્ણ કડી છે.

જેમ જેમ આપણે આગળ વધીએ છીએ, ચાલો આપણે વિશ્વાસ, નવીનતા અને ઉદ્દેશ્ય સાથે મળીને આ ભવિષ્યનું નિર્માણ કરતા રહીએ, જેથી ખાતરી કરી શકાય કે દેશના દરેક ખૂણામાં રહેતા દરેક ભારતીયને આપણા જોડાયેલા આવતીકાલના અનંત વચનનો લાભ મળે.

જય હિંદ
આપનો આભાર,
જ્યોતિરાદિત્ય એમ. સિંધિયા
સંચાર મંત્રી, ભારત સરકાર

سنچار منترالیا
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

وزیرِ مواصلات کا پیغام

انمسکار

گزشتہ سال بھارت کے ٹیلی کام کے سفر کا ایک درخشاں باب رہا ہے — ایک ایسا دور جو جرات مندانہ اصلاحات، جامع ترقی، مقامی اختراعات، اور عالمی قیادت کی سمت ایک فیصلہ کن قدم سے عبارت ہے۔ ہمارے عزت مآب وزیراعظم جناب نریندر مودی جی کی بصیرت افروز قیادت میں، ہم نے ڈیجیٹل بھارت کے اپنے مشترکہ لائحہ عمل کے لئے چیلنجوں کو مواقع میں اور مواقع کو سنگِ میلوں میں تبدیل کیا ہے۔

عزت مآب وزیراعظم کی بصیرت افروز قیادت میں، ٹیلی کمیونیکیشن کے محکمے نے سماویشت (شمولیت)، توارت (تیزی)، شرکشت (تحفظ)اور سمردھی (خوشحالی) کے جذبے کو اپنایا ہے — اپنے اصول جو ہمارے مشن کو روشن کرتے ہیں اور ہر اقدام کی بنیاد ہیں۔ سماویشت اس عزم کی علامت ہے کہ کوئی بھی شہری، خواہ وہ کتنا ہی دور ہی کیوں نہ ہو، ڈیجیٹل دور میں پیچھے نہ رہ جائے۔

توارت ہمارے اس جذبے کی نمائندگی کرتا ہے کہ ہم زندگی اور کاروبار کو بہتر بنانے کے لیے تیز اور فیصلہ کن اقدامات کریں۔شرکشت ہمیں یاد دلاتا ہے کہ ہمارا فرض صرف نیٹ ورکس کی حفاظت تک محدود نہیں، بلکہ ہر بھارتی شہری کے اعتماد اور ڈیٹا کے تحفظ تک پھیلا ہوا ہے۔ سمردھی ہماری اس تمنا کی عکاس ہے کہ ہم اختراعات کو فروغ دیں، خود انحصاری کو مضبوط بنائیں، اور بھارت کو وشو بندھو — دنیا کا قابلِ اعتماد دوست — بنائیں۔

یہ سال تبدیلیوں سے بھرپور رہا ہے۔ بھارت دنیا کا سب سے تیز رفتار ملک بن کر اُبھرا ہے جس نے 5جی خدمات متعارف کرائیں، جو اب ملک کے 99.9 فیصد اضلاع میں دستیاب ہیں اور تقریباً پانچ لاکھ 5جی بیس اسٹیشنوں کے ذریعے فراہم کی جا رہی ہیں۔ ترمیم شدہ بھارت نیٹ پروگرام کے تحت 6.94 لاکھ کلومیٹر آپٹیکل فائبر کے ذریعے 2.14 لاکھ گرام پنچایتوں کو جوڑا گیا ہے، جس سے دیہی بھارت ایک ڈیجیٹل طاقت کے طور پر ابھر رہا ہے۔ 4 جی سیچوریشن پروجیکٹ کے تحت 12,700 سے زائد ٹاور نصب کیے گئے ہیں، جن سے 18,600 دیہات پہلی بار کنیکٹیویٹی سے مستفید ہوئے ہیں۔

خدمات شروع کی گئی ہیں، FTTH اب ہمارے دُور دراز جزائر بھی پہنچ سے باہر نہیں رہے — کوچی-لکشدیپ سب میرین کیبل پروجیکٹ کے ذریعے 5 جی اور جن سے بینڈ وِڈتھ پانچ گنا بڑھ گئی ہے اور دور دراز کمیونٹیز بھارت کے ڈیجیٹل دھارے میں شامل ہو گئی ہیں۔

اس سفر کا ایک تاریخی لمحہ وہ تھا جب عزت مآب وزیراعظم نے بھارت میں تیار کردہ بی ایس این ایل 4جی اسٹیک کا افتتاح کیا — جو ہمارے آتم نربھر بھارت کی سمت ایک سنگِ میل ہے۔ اس کامیابی کے ساتھ، بھارت دنیا کے اُن پانچ ممالک میں شامل ہو گیا ہے جو اپنی 4جی کور ٹیکنالوجی کو ڈیزائن، تیار، اور تعینات کرنے کی صلاحیت رکھتے ہیں۔ افتتاح کے روز ایک لاکھ 4 جی ٹاور بیک وقت چالو کیے گئے، جس سے دو کروڑ سے زائد شہری — جن میں کئی دور دراز کے باشندے شامل تھے — بھارت کے ڈیجیٹل نیٹ ورک سے جُڑ گئے۔ ایک اپنے وقت میں جب بھارت 2 جی کنیکٹیویٹی کے لیے جدوجہد کر استیک ڈیجیٹل خود مختاری اور تکنیکی آزادی کی علامت ہے، جو ٹارہا تھا، آج ہم تقریباً مکمل 5 جی کوریج حاصل کر چکا ہے۔ یہ میڈ اِن انڈیا 4 بھارت کی عالمی مسابقت کو مضبوط کرتا ہے اور انڈیا 6 جی وژن 2030 کی حمایت کرتا ہے۔

ہماری اصلاحات نے اس ترقی کی بنیاد رکھی ہے۔ ٹیلی کمیونیکیشن ایکٹ 2023 نے نوآبادیاتی دور کے قوانین کی جگہ ایک جدید، ٹیکنالوجی سے غیر جانب دار فریم ورک متعارف کرایا ہے، جو اختراعات کو فروغ دیتا ہے، اسپیکٹرم مینجمنٹ کو مضبوط بناتا ہے، اور صارفین کے حقوق کا تحفظ کرتا ہے۔ ٹیلی کمیونیکیشن (عارضی طور پر خدمات کی معطلی) رولز 2024 نے سلامتی اور آزادی کے درمیان توازن قائم کرتے ہوئے جوابدہی کو یقینی بنایا ہے۔ گئی شکتی سنچار پورٹل نے رائٹ آف وے منظوری کے وقت کو 448 دن سے گھٹا کر صرف 33 دنکر دیا ہے — جو شفافیت اور رفتار کے ہمارے عزم کی واضح مثال ہے۔

تحفظ ہماری اولین ترجیح ہے۔ سنچار ساتھی پورٹل اور ایپ کے ذریعے 20 کروڑ سے زائد شہریوں کو یہ سہولت ملی کہ وہ اپنے گم شدہ فون بلاک کریں، سم کی تصدیق کریں اور دھوکہ دہی کی شکایات درج کریں۔ ڈیجیٹل انٹیلیجنس پلیٹ فارم نے 75 سے زائد تنظیموں کو متحد کرتے ہوئے 200 کروڑ روپے سے زیادہ کے مالی فراڈ کو روکنے میں مدد دی ہے۔

جدت طرازی ہماری ترقی کا محرک ہے۔ ٹیلی کام ٹیکنالوجی ڈیولپمنٹ فنڈ نے 500 کروڑ روپے مالیت کے منصوبوں کی معاونت کی ہے، جن میں 200 کروڑ تحقیق کے لیے مخصوص ہیں، تاکہ بھارت میں اگلی نسل کی اختراعات کو فروغ دیا جا سکے۔ پی ایل آئی اسکیم کے تحت 4,516 کروڑ روپے کی سرمایہ کاروپے 6 کاری، 91,125 کروڑ روپے کی فروخت، 17,809 کروڑ روپے کی برآمدات، اور 29,000 نئی ملازمتیں پیدا ہوئیں، جس سے بھارت کی عالمی ٹیلی کام صنعت میں موجودگی مزید مضبوط ہوئی ہے۔

انڈیا موبائل کانگریس 2025 ، جو 8 تا 11 اکتوبرتک منعقد ہوئی، بھارت کے لیے ایک اور سنگِ میل تھی، جو اختراعات اور اشتراک کے مرکز کے طور پر اُبھرا۔ آئی ایم سی 2025 ایپ کے اجرا کے ساتھ، یہ تقریب ایک متحرک پلیٹ فارم بن گئی جس نے عالمی رہنماؤں، اسٹارٹ اپس، اور سرمایہ کاروں کو 5 جی،6جی، اے آئی، سیٹ کام اور سائبر سیکیورٹی کے مستقبل کے گرد یکجا کیا۔

ہماری ہر کامیابی ایک سچائی کو اجاگر کرتی ہے — بھارت کا ٹیلی کام انقلاب صرف تیز تر نیٹ ورکس یا نئی ٹیکنالوجیز کے بارے میں نہیں ہے۔

یہ آپ کے بارے میں ہے — اُس شہری کے بارے میں جو اس تبدیلی کے مرکز میں ہے۔ چاہے وہ کسی دیہی اسکول کا طالب علم ہو، کسی شہر میں اسٹارٹ اپ موجد، یا ایک کسان جو ڈیجیٹل اوزار اپنا رہا ہو — ہر بھارتی شہری ڈیجیٹل بھارت کی کہانی کا ایک لازمی کردار ہے۔

آئیے، ہم آگے بڑھتے ہوئے اعتماد، اختراع، اور عزم کے ساتھ اس مستقبل کو مل کر تعمیر کریں، اس بات کو یقینی بناتے ہوئے کہ ہر بھارتی شہری، ملک کے ہر گوشے میں، ہمارے باہم جڑے کل کے لامحدود امکانات سے فائدہ اٹھا سکے۔

جے ہند
،خیراندیش
جیوتی رادتیہ ایم۔ سندھیا
وزیر مواصلات، حکومتِ ہند

சஞ்சார் மந்திராலயா
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

தொலைத்தொடர்புத் துறையின் எழுச்சிக் குறித்து மத்திய அமைச்சர் ஜோதிராத்திய சிந்தியா எழுதிய கட்டுரை

வணக்கம்!

இந்தியாவின் தொலைத்தொடர்புத் துறையின் பயணம் கடந்த ஆண்டு மிகவும் பிரகாசமானதாக இருந்ததுடன் துணிச்சலான சீரமைப்பு நடவடிக்கைகள், வளர்ச்சியை உள்ளடக்கிய உள்நாட்டுத் புதுமையான கண்டுபிடிப்புகள் மற்றும் சர்வதேச அளவில் தலைமைத்துவத்துடன் கூடிய முடிவுகளுக்கான காலகட்டமாக அமைந்தது. பிரதமர் திரு நரேந்திர மோடியின் தொலைநோக்குப் பார்வை கொண்ட தலைமைத்துவ அடிப்படையிலான வழிகாட்டுதலுடன் அனைத்து சவால்களையும் வாய்ப்புகளாக மாற்றியமைத்ததுடன், டிஜிட்டல் இந்தியா திட்டம் குறிப்பிடத்தக்க வளர்ச்சிகளையும் வழங்கியுள்ளது.

பிரதமர் திரு நரேந்திர மோடியின் சிறப்பான வழிகாட்டுதலின் பேரில் தொலைத் தொடர்புத்துறையின் உள்ளடக்கிய, விரைவான, பாதுகாப்பான, வலுவையுடன் கூடிய உணர்வுடன் கூடிய கொள்கைகள், அதன் இலக்குகளை எட்டுவதற்கான உத்வேகத்தை அளித்ததுடன், தொலைதூரப் பகுதிகளில் வசித்து வரும் குடிமக்களையும் சென்றடையச் செய்வதை உறுதி செய்யும் வகையில் அனைவரையும் உள்ளடக்கிய முன்முயற்சிகள் உறுதியுடன் மேற்கொள்ளப்பட்டு வந்தது. இந்த டிஜிட்டல் யுகத்தில் எந்தவொரு நபரும் விடுபட்டு விடாமல் இருக்க, அனைவருக்கும் தொலைத்தொடர்பு வசதி கிடைக்கும் வகையிலான நடவடிக்கைகள் மேற்கொள்ளப்பட்டன.

எளிதான வாழ்வியல் முறை மற்றும் எளிதாக வர்த்தகம் செய்வதை மேம்படுத்தும் வகையில் உறுதியான, விரைவான செயல்திட்டங்கள் வகுக்கப்பட வேண்டியதன் அவசியத்தைக் கருத்தில் கொண்டு நடவடிக்கைகள் மேற்கொள்ளப்பட்டன. ஒவ்வொரு இந்தியர் முதல் தரவுகளை பாதுகாப்பதுடன், அதன் மீது நம்பிக்கையை உருவாக்கும் வகையில், செயல்திட்டங்கள் வகுக்கப்பட்டன. புதுமையான கண்டுபிடிப்புகளை ஊக்குவிப்பதற்கும், தற்சார்பு நிலையை வளர்ப்பதற்கும் அதன் வலிமையைப் பறைசாற்றுவது மட்டுமின்றி, உலகின் நம்பகத்தன்மையுடன் கூடிய நட்பு நாடாக இந்தியாவை உருவெடுக்கச் செய்வதற்கான நடவடிக்கைகளும் மேற்கொள்ளப்பட்டன.

5ஜி தொழில்நுட்பத்துடன் கூடிய செல்பேசி சேவையை அளிப்பதில் இந்தியா விரைவான வளர்ச்சி கண்டு வரும் நாடாக உருவெடுத்துள்ளதுடன், தற்போது நாடு முழுவதிலும் உள்ள 99.9 சதவீத மாவட்டங்களில் 5 லட்சம் 5ஜி அலைக்கற்றைக்கான அடிப்படை நிலையங்களுடன் சிறப்பான செல்பேசி சேவைகள் வழங்கப்பட்டு வருகின்றன. பாரத் நெட் திட்டத்தில் உரிய இலக்குகள் மேற்கொள்வதன் மூலம் 4.94 லட்சம் கிலோமீட்டருக்கும் அதிக தீளத்துக்கு கண்ணாடி இழை மூலம் 2.14 லட்சம் கிராமப்புற பஞ்சாயத்துக்கள் தொலைத்தொடர்பு வசதியுடன் இணைக்கப்பட்டுள்ளன. இது கிராமப்புற இந்தியாவின் டிஜிட்டல் வலிமையை எடுத்துக்காட்டுவதாக உள்ளது. 4ஜி தொலைத்தொடர்பு சேவையை வழங்கும் திட்டத்தின் கீழ், 12,700 தொலைத்தொடர்பு கோபுரங்கள் நிறுவப்பட்டுள்ளதுடன், 18,600 கிராமப்புறங்கள் தொலைத்தொடர்பு சேவையைப் பெற்றுள்ளன. இவற்றில் பல்வேறு கிராமங்கள் முதல் முறையாக இந்தச் சேவையைப் பெறுகின்றன.

தொலைதூரப் பகுதிகளில் தீவுகளும் இப்போது தொலைத்தொடர்பு இணைப்பு வசதிகளைப் பெற்றுள்ளன. கொச்சி-லட்சத்தீவுக்கு இடையில் கடலுக்கு அடியில் கேபிள்கள் அமைப்பதன் மூலம், எட்டமுடியாத பகுதிகள் என்று எதுவும் இல்லை என்ற நிலை ஏற்பட்டுள்ளது. கடலுக்கு அடியில் 5ஜி செல்பேசி சேவைக்கான கேபிள் வசதியும், வீடுகளுக்கு நேரடியாக கண்ணாடி இழை மூலம் தொலைத்தொடர்பு சேவைகள் வழங்கும் திட்டமும் செயல்படுத்தப்பட்டுள்ளது. இது 5 மடங்கு விரைவான இணையதள வசதி அளிப்பதுடன் தொலைதூரப் பகுதிகளில் உள்ள மக்களையும் இந்தியாவின் டிஜிட்டல் சேவையுடன் இணைக்க வகை செய்கிறது.

தற்சார்பு இந்தியாவின் இலக்குகளை எட்டும் வகையில் குறிப்பிடத்தக்க அம்சமாக பிரதமர் திரு நரேந்திர மோடியால் முற்றிலும் உள்நாட்டிலேயே வடிவமைக்கப்பட்டு தயாரிக்கப்பட்ட பிஎஸ்என்எல் 4ஜி அலைக்கற்றை கோபுரங்களை நிறுவும் பணியை தொடங்கி வைத்த தருணம் தொலைத்தொடர்புத் துறையின் முக்கியத்துவம் வாய்ந்த தருணமாக அமைந்தது. இத்தகைய சாதனைகளுடன் 4ஜி தொழில்நுட்பத்தை வடிவமைக்கும் திறன் கொண்ட உலகின் 5-வது நாடாக இந்தியா இணைந்துள்ளது. குறிப்பிடத்தக்கதாகும், ஒரு லட்சம் எண்ணிக்கையிலான 4ஜி அலைக்கற்றை கோபுரங்களை அமைக்கும் பணிகளைத் தொடங்கி வைத்த அதே நேரத்தில், நாடு முழுவதும் அதற்கான சேவைகளும் செயல்பாட்டுக்கு கொண்டு வரப்பட்டன. இதன் மூலம் இரண்டு கோடிக்கும் அதிகமான மக்கள் இந்தியாவில் டிஜிட்டல் சேவைகளுடன் இணைக்கப்பட்டுள்ளனர். இது முந்தைய காலத்தில் தொடர்புகொள்ள முடியாத தொலைதூரத்தில் உள்ள பகுதிகளைக் கூட இணைக்கிறது. 2ஜி தொலைத்தொடர்பு சேவைகளை வழங்குவதில் இந்தியா பல்வேறு சிரமங்களை எதிர்கொண்ட காலத்திலிருந்து தற்போது 5ஜி தொலைத்தொடர்பு சேவையை வழங்கும் நாடாக உருவெடுத்துள்ளது. இந்தியாவிலேயே வடிவமைத்து தயாரிக்கப்பட்ட 4ஜி அலைக்கற்றை கோபுரங்கள், நாட்டில் டிஜிட்டல் தற்சார்பு நிலைக்கும் சுதந்திரமான தொழில்நுட்பம் மற்றும் சர்வதேச அளவிலான இந்தியாவின் போட்டித் தன்மையை வலுவடையச் செய்வதற்கும் வரும் 2030-ம் ஆண்டுக்குள் 6ஜி தொலைத்தொடர்பு சேவையை வழங்குவதற்கான தொலைநோக்குப் பார்வைக்கு ஆதரவுவளிக்கும் வகையிலும் அமைந்துள்ளது.

மத்திய அரசின் சீர்திருத்த நடவடிக்கைகள் வளர்ச்சிக்கான அடித்தளம் அமைக்கதுடன் தொலைத்தொடர்புச் சட்டம் 2023-ல் காலனி ஆதிக்கக் காலத்திலிருந்த சட்டதிட்டங்கள் மாற்றியமைக்கப்பட்டு நவீன கால தொழில்நுட்பம் மற்றும் வளர்ச்சிக்கான கட்டமைப்புகளுடன் கூடிய சட்ட விதிகள் அமல்படுத்தப்பட்டு வருகின்றன. இது புதுமையான கண்டுபிடிப்புகளை ஊக்குவிப்பதுடன் தொலைத் தொடர்பு வலையமைப்பை வலுப்படுத்துவதற்கும், பயனாளிகளின் உரிமைகளைப் பாதுகாப்பதற்கும் உதவுகிறது. தொலைத்தொடர்பு (தற்காலிகமாக நிறுத்தி வைக்கப்பட்ட சேவைகள்) விதிமுறைகள் 2024 பாதுகாப்பு மற்றும் சுதந்திரமான செயல்பாடுகளுக்கு சமஅளவிலான பொறுப்புணர்வை உறுதி செய்கிறது. விரைவு சக்தி இணையதளத்தின் மூலம் சரக்குப் போக்குவரத்திற்கான அனுமதிகளை வழங்குவதில் வெளிப்படைத்தன்மை மற்றும் விரைவான நடவடிக்கைகள் மேற்கொள்ளப்பட்டு, அதற்கான உரிமைகளை வழங்குவதற்கு ஆகும் நாட்கள் 448-லிருந்து 33 ஆக குறைக்கப்பட்டுள்ளது.

தொலைத்தொடர்பு சேவையில் பாதுகாப்பு அம்சம் மிக முக்கியத்துவம் வாய்ந்ததாகும். சஞ்சார் சாதி இணையதளம் மற்றும் செயலிகள் 20 கோடிக்கும் அதிகமான மக்கள் தாங்கள் தொலைத்த செல்பேசிகளின் சேவையை நிறுத்துவதற்கான அதிகாரம் வழங்கியது. மேலும், சிம் கார்டுகள் சரிபார்ப்பு மற்றும் மோசடி தொடர்பான அறிக்கைகளையும் வழங்க இந்த இணையதளம் வகைசெய்கிறது. இந்த டிஜிட்டல் புலனாய்வுத் தளம் 75-க்கும் அதிகமான நிறுவனங்களுடன் ஒன்றிணைந்து 200 கோடி ரூபாய்க்கும் அதிகமான நிதி மோசடிகளைக் கண்டறிய உதவியுள்ளது.

புதிய கண்டுபிடிப்புகள் நமது நாட்டின் வளர்ச்சிக்கான ஊக்கியாக தொடர்ந்து செயல்பட்டு வருகின்றன. தகவல் தொழில்நுட்ப மேம்பாட்டு நிதி 200 கோடி ரூபாய் மதிப்பிலான 4ஜி அலைக்கற்றை ஆராய்ச்சிப் பணிகள் உட்பட 500 கோடி ரூபாய் மதிப்பிலான திட்டங்களுக்கும், உள்நாட்டிலேயே அடுத்த தலைமுறைக்கான புதிய கண்டுபிடிப்புகளை ஊக்குவிக்கவும் உதவுகிறது. உற்பத்தியுடன் கூடிய ஊக்கத்தொகைத் திட்டத்தின் கீழ், இத்துறையில் 4,516 கோடி ரூபாய் முதலீடுகள் ஈர்க்கப்பட்டுள்ளதுடன் 17,809 கோடி ரூபாய் அளவிலான ஏற்றுமதியுடன் 91,125 கோடி ரூபாய் விற்பனை செய்யப்பட்டுள்ளது. மேலும், 29,000 புதிய வேலைவாய்ப்புகளை உருவாக்கியுள்ளதுடன் தொலைத்தொடர்பு சாதனங்களின் உற்பத்தியில் உலக அரங்கில் வலிமையான நாடாக இந்தியா தடம் பதித்துள்ளது.

இந்திய மொபைல் மாநாடு 2025 இம்மாதம் 8 முதல் 11-ம் தேதி வரை நடைபெற்றது. இம்மாநாடு புதிய கண்டுபிடிப்புகள் மற்றும் தொழில்நுட்ப ஒத்துழைப்புக்கான மையமாக இந்தியா உருவெடுத்து வருவதை எடுத்துக்காட்டும் வகையில் அமைந்தது. இந்திய மொபைல் மாநாடு 2025 என்ற செயலி, பயன்பாட்டுக்கு கொண்டுவரப்பட்டதுடன் உலக அளவிலான நிறுவனங்களின் தலைவர்கள், புத்தொழில் நிறுவனங்கள், முதலீட்டாளர்கள் என அனைவரையும் ஒருங்கிணைத்து, எதிர்காலத்திற்குத் தேவையான 5ஜி, 6ஜி செயற்கை நுண்ணறிவு, சாட் காம், சைபர் பாதுகாப்பு போன்ற துறைகளில் ஒரு வலுவான தளத்தை அமைக்கும் வகையில் அமைந்தது.

இந்தியாவின் தொலைத்தொடர்புத் துறையில் ஏற்பட்டுள்ள புரட்சி வெறும் விரைவான வலைதள சேவைகளை வழங்குவது அல்லது புதிய தொழில்நுட்பத்திற்கான தளமாக மட்டுமின்றி, ஒவ்வொரு துறையிலும் நம்பகத்தன்மையை உறுதி செய்யும் வகையில் அமைந்துள்ளது. மக்களை மையமாகக் கொண்டு மாற்றத்திற்கான நடவடிக்கைகள் மேற்கொள்ளப்பட்டு வருகின்றன. கிராமப் பகுதியில் உள்ள வறுப்பறையில் உள்ள ஒரு மாணவர், நகர்ப்புறத்தில் உள்ள புதிய தொழில் முனைவோர் கண்டுபிடிப்பாளர் அல்லது டிஜிட்டல் கருவிகளை பயன்படுத்தும் ஒரு விவசாயி என யாராக இருந்தாலும் ஒவ்வொரு இந்தியரும் டிஜிட்டல் இந்தியா திட்டத்தின் ஒரு முக்கிய அங்கமாக இணைக்கப்பட்டுள்ளார்.

நம்பிக்கை, புதிய கண்டுபிடிப்பு, பயன்பாடு என அனைத்தையும் ஒருங்கிணைத்து ஒவ்வொரு இந்தியரும் பயனடையும் வகையில் ஒரு எதிர்காலத்தை நாம் தொடர்ந்து இணைந்து கட்டமைப்போம்.

உண்மையாக உங்களுடையது
ஜோதிராத்திய எம். சிந்தியா,
மத்திய தகவல் தொடர்பு அமைச்சர்,
இந்திய அரசு.

ସଞ୍ଚାର ମନ୍ତ୍ରଣାଳୟ
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

ସଞ୍ଚାର ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ବାର୍ତ୍ତା

ନମସ୍କାର !

ଗତ ବର୍ଷଟି ଭାରତୀୟ ଟେଲିକମ ଯାତ୍ରା ପାଇଁ ଏକ ଉଜ୍ଜ୍ୱଳ ବର୍ଷ ଥିଲା । ଏହି ବର୍ଷଟି ବୈପ୍ଳବିକ ସଂସ୍କାର, ସମାବେଶୀ ଅଭିବୃଦ୍ଧି, ସ୍ୱଦେଶୀ ନବସୃଜନ ଓ ବୈଶ୍ୱିକ ନେତୃତ୍ୱ ଦିଗରେ ଏକ ନିର୍ଣ୍ଣାୟକ ଲମ୍ଫ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲା । ଆମର ମାନ୍ୟବର ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ନରେନ୍ଦ୍ର ମୋଦୀଙ୍କ ଦୂରଦୃଷ୍ଟିପୂର୍ଣ୍ଣ ନେତୃତ୍ୱରେ, ଆମେ ଡିଜିଟାଲ ଇଣ୍ଡିଆର ଆମର ସହଭାଗୀ ପଥରେ ଆହ୍ୱାନଗୁଡ଼ିକୁ ସୁଯୋଗରେ ଏବଂ ସୁଯୋଗଗୁଡ଼ିକୁ ମାଇଲଖୁଣ୍ଟରେ ପରିଣତ କରିଛୁ।

ମାନ୍ୟବର ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ସୁଚିନ୍ତିତ ଦିଗଦର୍ଶନରେ ଦୂରସଂଚାର ବିଭାଗ ସମାବେଶନ, ତ୍ୱରିତ, ସୁରକ୍ଷିତ ଓ ସମୃଦ୍ଧିର ଭାବନାକୁ ଗ୍ରହଣ କରିଛି । ଏସବୁ ନୀତି ଆମର ଲକ୍ଷ୍ୟରେ ପ୍ରତିଫଳିତ ହୋଇ, ଆମେ ଗ୍ରହଣ କରୁଥିବା ପଦକ୍ଷେପଗୁଡ଼ିକୁ ପରିଚାଳିତ କରୁଛି । ଆମର 'ସମାବେଶୀ' ପ୍ରତିବଦ୍ଧତା ଦର୍ଶାଉଛି ଯେ, କୌଣସି ନାଗରିକ, ଯେତେ ଦୂରରେ ଥାଆନ୍ତୁ ନା କାହିଁକି, ଏହି ଡିଜିଟାଲ ଯୁଗରେ ପଛରେ ପଡ଼ିବେ ନାହିଁ । 'ତ୍ୱରିତ' ଦର୍ଶାଉଛି ଯେ, ଲୋକଙ୍କ ଜୀବନକୁ ଓ ବ୍ୟବସାୟକୁ ସହଜ କରିବା ନିମନ୍ତେ ଶୀଘ୍ର ଓ ନିର୍ଣ୍ଣାୟକ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଲାଗି ଆମେ ତତ୍ପର । 'ସୁରକ୍ଷିତ' ଆମକୁ ମନେ ପକାଇଦେଉଛି ଯେ, ଆମର କର୍ତ୍ତବ୍ୟ କେବଳ ନେଟୱାର୍କକୁ ସୁରକ୍ଷିତ କରିବା ନୁହେଁ, ବରଂ ପ୍ରତି ଭାରତୀୟଙ୍କ ତଥ୍ୟ ଓ ଭରସାକୁ ସୁରକ୍ଷିତ ରଖିବା । 'ସମୃଦ୍ଧି' ନବସୃଜନକୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହନ, ଆତ୍ମନିର୍ଭରଶୀଳତା ସୃଷ୍ଟି ଓ 'ବିଶ୍ୱବନ୍ଧୁ- ବିଶ୍ୱର ଏକ ଭରସାଯୋଗ୍ୟ ବନ୍ଧୁ' ଭାବରେ ଭାରତର ମାନ୍ୟତାକୁ ସୁଦୃଢ଼ କରିବା ଲାଗି ଆମର ଅଭିଳାଷକୁ ଦର୍ଶାଉଛି ।

ଏହି ବର୍ଷ ପରିବର୍ତ୍ତନମୂଳକ ହୋଇଛି। ୫ଜି ସେବା ଚାଲୁ କରିବାରେ ଭାରତ ବିଶ୍ୱର ସବୁଠାରୁ ଦ୍ରୁତତମ ଦେଶ ଭାବରେ ଉଭା ହୋଇଛି । ପ୍ରାୟ ପାଞ୍ଚ ଲକ୍ଷ ୫ଜି ବେସ ଷ୍ଟେସନ ଦ୍ୱାରା ପରିଚାଳିତ ଏହା ବର୍ତ୍ତମାନ ଦେଶର ୯୯.୯ ପ୍ରତିଶତ ଜିଲ୍ଲାରେ ଉପଲବ୍ଧ ହୋଇପାରିଛି । ସଂଶୋଧିତ ଭାରତନେଟ୍ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ମାଧ୍ୟମରେ, ୬.୯୪ ଲକ୍ଷ କିଲୋମିଟରରୁ ଅଧିକ ଅପ୍ଟିକାଲ୍ ଫାଇବର ବର୍ତ୍ତମାନ ୨.୧୪ ଲକ୍ଷ ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତକୁ ସଂଯୋଗ କରିଛି, ଯାହା ଗ୍ରାମୀଣ ଭାରତକୁ ଏକ ଡିଜିଟାଲ୍ ପାୱାରହାଉସରେ ପରିଣତ କରିଛି। ୪ଜି ସାଚୁରେସନ ପ୍ରୋଜେକ୍ଟ ୧୨,୭୦୦ରୁ ଅଧିକ ଟାୱାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷମ କରିଛି, ଯାହା ୧୮,୭୦୦ ଗ୍ରାମକୁ ଇଣ୍ଟରନେଟ ସହ ସଂଯୋଗ କରିପାରିଛି । ଏହା ମଧ୍ୟରେ କେତେକ ଗ୍ରାମକୁ ପ୍ରଥମ ଥର ପାଇଁ ମଧ୍ୟ ସଂଯୋଗ କରାଯାଇଛି ।

ଏପରିକି ଆମର ଦୂରନ୍ତ ଦ୍ୱୀପଗୁଡ଼ିକ ଆଉ ଅପହଞ୍ଚ ରହିନାହାନ୍ତି । କୋଟି-ଲକ୍ଷଦ୍ୱୀପ ସବମାରିନ କେବୁଲ ପ୍ରକଳ୍ପ ୫ଜି ଓ ଏଫଟିଟିଏଚ ସେବା ଆରମ୍ଭ କରିପାରିଛି, ଯାହାକି ବ୍ୟାଣ୍ଡୱିଡଥକୁ ୫ ଗୁଣ ବଢ଼ାଇଛି ଓ ଦୂରରେ ଥିବା ଭାରତର ଜନସମୁଦାୟକୁ ଡିଜିଟାଲ ମୁଖ୍ୟଧାରାରେ ସାମିଲ କରିପାରିଛି ।

ଏହି ଯାତ୍ରାରେ ଏକ ନିର୍ଣ୍ଣାୟକ ମୁହୂର୍ତ୍ତ ଥିଲା ମାନ୍ୟବର ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଭାରତର ସ୍ୱଦେଶୀ ଭାବରେ ବିକଶିତ ଦିଏସଏନଏଲ ୪ଜି ଷ୍ଟାକର ଉଦଘାଟନ - ଏକ ଆତ୍ମନିର୍ଭରଶୀଳ ଭାରତ ପାଇଁ ଏକ ମାଇଲଖୁଣ୍ଟ। ଏହି ସଫଳତା ସହିତ ୪ଜି କୋର୍ ଟେକନଲୋଜୀର ଡିଜାଇନ, ବିକାଶ ଓ ଚାଲୁ କରିବାରେ ଭାରତ ବିଶ୍ୱର ୫ଟି ଦେଶଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ସାମିଲ ହୋଇଛି ।

ଉଦଘାଟନ ଦିନ ଏକ ଲକ୍ଷ ୪ଜି ଟାୱାର ଏକକାଳୀନ ସକ୍ରିୟ ହୋଇଥିଲା ଯଦ୍ୱାରା ପ୍ରାୟ ଦୁଇ କୋଟି ଲୋକ ଭାରତର ଡିଜିଟାଲ କ୍ଷେତ୍ରରେ ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ ହୋଇଥିଲେ । ଏହି ଲୋକମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଅନେକ ଲୋକ ଦୂରାନ୍ତ ଅଞ୍ଚଳ ତଥା ଯେଉଁଠାରେ ପୂର୍ବରୁ ସଂଯୋଗ ନଥିଲା ସେଠାରୁ ଥିଲେ। ଦିନଥିଲା ଭାରତ ୨ଜି ଟେକନଲୋଜୀକୁ ନେଇ ସଂଘର୍ଷ କରୁଥିଲା, କିନ୍ତୁ ଏବେ ପ୍ରାୟ ସମଗ୍ର ଭାରତ ୫ଜି କଭରେଜ ମଧ୍ୟକୁ ଆସିଛି। ଏହି ମେଡ୍-ଇନ୍-ଇଣ୍ଡିଆ ୪ଜି ଷ୍ଟାକ୍ ଡିଜିଟାଲ୍ ଆତ୍ମନିର୍ଭରଶୀଳତା ଏବଂ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ସ୍ୱାଧୀନତାର ଏକ ଆଲୋକଦର୍ଶିକା ଭାବରେ ଠିଆ ହୋଇଛି, ଭାରତର ବିଶ୍ୱସ୍ତରୀୟ ପ୍ରତିଯୋଗିତାକୁ ସୁଦୃଢ଼ କରୁଛି ଏବଂ ଆମର ଭାରତ ୬ଜି ଭିଜନ ୨୦୩୦କୁ ସମର୍ଥନ କରୁଛି।

ଆମର ସଂସ୍କାର ପ୍ରକ୍ରିୟା ଏହି ପ୍ରଗତି ପାଇଁ ଭିତ୍ତିଭୂମି ସ୍ଥାପନ କରିଥିଲା । ଦୂରସଞ୍ଚାର ଆଇନ, ୨୦୩୦ ଉପନିବେଶବାଦୀ ଯୁଗର ଆଇନଗୁଡ଼ିକୁ ଏକ ଆଧୁନିକ, ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା-ନିରପେକ୍ଷ ଢାଞ୍ଚାରେ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରିଛି, ଯାହା ନବସୃଜନକୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହିତ କରେ, ସ୍ପେକ୍ଟ୍ରମ୍ ପରିଚାଳନାକୁ ସୁଦୃଢ଼ କରେ ଏବଂ ବ୍ୟବହାରକାରୀଙ୍କ ଅଧିକାରକୁ ସୁରକ୍ଷା ଦିଏ। ଦୂରସଞ୍ଚାର (ସେବାଗୁଡ଼ିକର ଅସ୍ଥାୟୀ ସ୍ଥଗିତ) ନିୟମ, ୨୦୨୪ ନିଶ୍ଚିତ କରେ ଯେ, ସୁରକ୍ଷା ଓ ସ୍ୱାଧୀନତା ସହ ଉଭୟଦାୟିତ୍ୱ ସନ୍ତୁଳନ ରକ୍ଷା କରେ । ଗତିଶକ୍ତି ସଞ୍ଚାର ପୋର୍ଟାଲ୍ ସଠିକ ଉପାୟରେ ଅନୁମୋଦନକୁ ୪୪୮ ଦିନରୁ ମାତ୍ର ୩୩ ଦିନକୁ ହ୍ରାସ କରିଛି, ଯାହା ସ୍ୱଚ୍ଛତା ଏବଂ ଗତି ପ୍ରତି ଆମର ପ୍ରତିବଦ୍ଧତାକୁ ଉଦାହରଣ ଦେଇଥାଏ।

ସୁରକ୍ଷା ସର୍ବୋଚ୍ଚ ପ୍ରାଥମିକତା ରହିଛି । ସଞ୍ଚାର ସାଥୀ ପୋର୍ଟାଲ ଓ ଆପ୍ ୨୦ କୋଟି ଲୋକଙ୍କୁ ନିଜର ହଜିଯାଇଥିବା ଫୋନକୁ ଅଚଳ କରିବା, ସିମ୍ ଯାଞ୍ଚ କରିବା ଓ ଠକେଇ ରିପୋର୍ଟ କରିବାକୁ କ୍ଷମତା ପ୍ରଦାନ କରିଛି । ଏହି ଡିଜିଟାଲ ଇକୋସିଷ୍ଟେମ୍ ପ୍ଲାଟଫର୍ମ ୭୫ରୁ ଅଧିକ ସଂଗଠନକୁ ଏକତ୍ରିତ କରି ପ୍ରାୟ ୨୦୦ କୋଟି ଟଙ୍କାରୁ ଅଧିକ ମୂଲ୍ୟର ଆର୍ଥିକ ଠକେଇ ରୋକିବାରେ ସହାୟତା କରିଛି ।

ନବସୃଜନ ଆମର ପ୍ରେରଣାଦାୟକ ଶକ୍ତି ଅଟେ । ଦୂରସଞ୍ଚାର ପ୍ରଯୁକ୍ତି ବିକାଶ ପାଣ୍ଠି ୫୦୦ କୋଟି ଟଙ୍କାରୁ ଅଧିକ ମୂଲ୍ୟର ପ୍ରକଳ୍ପକୁ ସମର୍ଥନ କରିଛି । ଏହା ମଧ୍ୟରେ ୬ଜି ଗବେଷଣା, ଭାରତରେ ପରବର୍ତ୍ତୀ ପିଢ଼ିର ଉଦ୍ଭାବନ ପାଇଁ ୨୦୦ କୋଟି ଟଙ୍କା ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ । ପିଏଲଆଇ ଯୋଜନା ୪,୫୧୬ କୋଟି ଟଙ୍କା ନିବେଶ, ୯୧,୧୨୫ କୋଟି ଟଙ୍କା ବିକ୍ରୟ, ୧୭,୮୦୯ କୋଟି ଟଙ୍କା ରପ୍ତାନି ଏବଂ ୨୯,୦୦୦ ନୂତନ ନିଯୁକ୍ତି ସୃଷ୍ଟି କରିଛି, ଯାହା ଟେଲିକମ ଉତ୍ପାଦନ କ୍ଷେତ୍ରରେ ଭାରତର ବିଶ୍ୱ ସ୍ତରୀୟ ପ୍ରଭାବକୁ ସୁଦୃଢ଼ କରିଛି।

ଚଳିତ ବର୍ଷ ୮ରୁ୧୧ ଅକ୍ଟୋବର ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଅନୁଷ୍ଠିତ ଇଣ୍ଡିଆ ମୋବାଇଲ୍ କଂଗ୍ରେସ ୨୦୨୫, ନବସୃଜନ ଏବଂ ସହଯୋଗର କେନ୍ଦ୍ର ଭାବରେ ଭାରତର ଉତ୍ଥାନକୁ ପ୍ରଦର୍ଶନ କରି ଆଉ ଏକ ମାଇଲଖୁଣ୍ଟ ସ୍ଥାପନ କରିଛି। ଆଇଏମସି ୨୦୨୫ ଆପ୍ ଲଞ୍ଚ ହେବା ସହିତ, ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ୫ଜି, ୬ଜି, ଏଆଇ, ସାଟକମ୍ ଏବଂ ସାଇବର ସୁରକ୍ଷାର ଭବିଷ୍ୟତ ବିଷୟରେ ବିଶ୍ୱ ନେତା, ଷ୍ଟାର୍ଟଅପ୍ ଏବଂ ନିବେଶକମାନଙ୍କୁ ଏକତ୍ରିତ କରିଥିବା ଏକ ଗତିଶୀଳ ପ୍ଲାଟଫର୍ମ ସାଜିଥିଲା।

ଆମର ପ୍ରତ୍ୟେକ ସଫଳତା ଗୋଟିଏ ସତ୍ୟକୁ ସୁନିଶ୍ଚିତ କରେ: ଭାରତର ଟେଲିକମ ବିପ୍ଳବ କେବଳ ଦ୍ରୁତ ନେଟୱାର୍କ କିମ୍ବା ନୂତନ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ବିଷୟରେ ନୁହେଁ । ଏହା ଆପଣମାନଙ୍କ ସଂପର୍କିତ- ଏହି ପରିବର୍ତ୍ତନର କେନ୍ଦ୍ରରେ ନାଗରିକମାନେ ଅଛନ୍ତି । ଏକ ଗ୍ରାମୀଣ ଶ୍ରେଣୀଗୃହରେ ଥିବା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ହୁଅନ୍ତୁ କିମ୍ବା ଏକ ସହରରେ ଥିବା ଷ୍ଟାର୍ଟଅପ ଉଦ୍ଭାବନକାରୀ ବା ଡିଜିଟାଲ ଉପକରଣ ବ୍ୟବହାର କରୁଥିବା ଜଣେ କୃଷକ ହୁଅନ୍ତୁ, ପ୍ରତ୍ୟେକ ଭାରତୀୟ ଡିଜିଟାଲ ଭାରତ କାହାଣୀର ଜଣେ ଜଣେ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ସୂତ୍ର ।

ଆମେ ଆଗକୁ ବଢ଼ିବା ସହିତ, ଆସନ୍ତୁ ଆମେ ବିଶ୍ୱାସ, ନବସୃଜନ ଏବଂ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ସହିତ ଭବିଷ୍ୟତର ନିର୍ମାଣ ଜାରି ରଖିବା । ଏହା ସୁନିଶ୍ଚିତ କରିବା ଯେ, ଦେଶର ପ୍ରତ୍ୟେକ କୋଣରେ ଥିବା ପ୍ରତ୍ୟେକ ଭାରତୀୟ ଆମର ସଂଯୁକ୍ତ ଆସନ୍ତାକାଲିର ଅସୀମ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତିରୁ ଲାଭ ପାଇପାରିବେ ।

ଜୟ ହିନ୍ଦ୍

ସଦିଚ୍ଛାର ସହ,
ଜ୍ୟୋତିରାଦିତ୍ୟ ଏମ୍. ସିନ୍ଧିଆ
ସଞ୍ଚାର ମନ୍ତ୍ରୀ,
ଭାରତ ସରକାର

सञ्चार मन्त्रालय
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

दूरसञ्चार विभागका मन्त्रीको सन्देश

नमस्कार,

गत वर्ष भारतको दूरसञ्चार यात्राको एक उज्ज्वल अध्याय बनेको छ। यो साहसी सुधारहरू, समावेशी विकास, स्वदेशी नवप्रवर्तन र विश्व नेतृत्वतर्फको निर्णायक प्रगतिले भरिएको एउटा अवधि बनेको छ। हाम्रा आदरणीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदीजीको दूरदर्शी नेतृत्वमा, हामीले चुनौतीहरूलाई अवसरमा र अवसरहरूलाई उपलब्धिमा रूपान्तरण गर्दै साझा डिजिटल भारतको यात्रामा महत्वपूर्ण कदम चालेका छौं।

आदरणीय प्रधानमन्त्रीज्यूको प्रबुद्ध मार्गदर्शनमा, दूरसञ्चार विभागले समावेशित, त्वरित, सुरक्षित र समृद्धिको भावना आत्मसात गरेको छ। यी नै सिद्धान्तहरूले हाम्रो उद्देश्यलाई प्रकाशित गर्दछ र हाम्रा प्रत्येक पहलका आधारशिला बनेको छ। समावेशितले हाम्रो यो प्रतिबद्धतालाई प्रतिबिम्बित गर्दछ कि डिजिटल युगमा कुनै पनि नागरिक, चाहे उनी कति टाढा किन नहोस्, पछाडि नपरोस्।

त्वरित तीव्र र निर्णायक कार्यमार्फत जनजीवनको सहजता र व्यवसाय सञ्चालनको सुगमता सुधार्ने हाम्रो तत्परताको प्रतीक हो। सुरक्षितले हामीलाई केवल सञ्जालहरूको सुरक्षामात्र होइन, प्रत्येक भारतीयको विश्वास र डेटा सुरक्षित राख्ने हाम्रो कर्तव्य सम्झाउँछ। समृद्धिले नवप्रवर्तनलाई प्रवर्द्धन गर्ने, आत्मनिर्भरता निर्माण गर्ने र भारतलाई विश्वबन्धु, विश्वको विश्वासिलो मित्रका रूपमा अझ सुदृढ बनाउने हाम्रो आकांक्षा प्रकट गर्दछ।

यो वर्ष रूपान्तरणकारी रह्यो। भारत विश्वमा सबैभन्दा छिटो 5G सेवा सुरु गर्ने देशको रूपमा अघि आएको छ, जुन अहिले देशका ९९.९% जिल्लाहरूमा उपलब्ध छ, लगभग पाँच लाख 5G बेस स्टेसनहरूद्वारा संचालित। संशोधित भारत नेट कार्यक्रम मार्फत ६.९४ लाख किलोमिटरभन्दा अधिक अप्टिकल फाइबरले अहिले २.१४ लाख ग्राम पञ्चायतहरूलाई जोड्नेको छ, जसले ग्रामीण भारतलाई डिजिटल शक्ति केन्द्रमा रूपान्तरण गरेको छ। 4G स्याचुरेशन परियोजना अन्तर्गत १२,७०० भन्दा धेर टावर सञ्चालन गरिएको छ, जसले १८,६०० गाउँहरूमा कनेक्टिभिटी पुऱ्याएको छ। तीमध्ये धेरैमा पहिलो पटक हो।

अहिले हाम्रो सबैभन्दा टाढाका टापुहरू पनि पहुँचबाहिर रहेका छैनन्। कोच्चि-लक्षद्वीप सबमरीन केबल परियोजनाले त्यहाँ 5G र FTTH सेवाहरूको शुरुवात गराएको छ, जसले ब्याण्डविथलाई पाँच गुणाभन्दा अधिक बढाउँदै हाम्रा टाढाका समुदायहरूलाई भारतको डिजिटलको मुख्यधारा जोड्नेको छ।

यस यात्राको एक ऐतिहासिक क्षण त्यो थियो जब आदरणीय प्रधानमन्त्रीज्यूले भारतमै स्वदेशी रूपमा विकसित गरिएको BSNL 4G Stack को उद्घाटन गर्नुभयो। य आत्मनिर्भर भारतको हाम्रो अभियानमा एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन हो। यस उपलब्धिसँगै, भारत विश्वका ती पाँच देशहरूको एक विशिष्ट समूहमा सामेल भयो, जसले आफ्नै 4G कोर प्रविधि डिजाइन, विकास र सञ्चालन गर्ने क्षमता राख्दछन्। उद्घाटनको दिन देशभरि एकैसाथ एक लाख 4G टावरहरू सक्रिय गरिए, जसले दुई करोड़भन्दा बढ़ी जनतालाई भारतको डिजिटल परिवारमा समेट्यो। तीमध्ये धेरैजना पहिले कहिल्ये जडान नभएका दुर्गम क्षेत्रका बासिन्दा थिए। जबदेखि भारत 2G जडानको लागि संघर्ष गर्दै थियो, आज हामीले लगभग सार्वभौमिक 5G पहुँच हासिल गरेका छौं। यो मेड-इन-इण्डिया 4G Stack डिजिटल आत्मनिर्भरता र प्रविधिक स्वाधीनताको प्रतीकका रूपमा उभिएको छ, जसले भारतको विश्व प्रतिस्पर्धात्मकता सुदृढ गर्दै हाम्रा इण्डिया 6G मिजन 2030 लाई समर्थन गर्दछ।

हाम्रा सुधारहरूले यस प्रगतिका लागि आधार तयार गरेको छ। दूरसञ्चार ऐन, 2023 ले औपनिवेशिक युगका कानुनहरूलाई प्रतिस्थापन गर्दै नवप्रवर्तनलाई प्रोत्साहन गर्ने, स्पेक्ट्रम व्यवस्थापन सुदृढ गर्ने र प्रयोगकर्ताको अधिकारहरू सुरक्षित गर्ने आधुनिक र प्रविधि-निरपेक्ष ढाँचा स्थापना गरेको छ। दूरसञ्चार (सेवा अस्थायी निलम्बन) नियमावली, 2024 ले सुरक्षा र स्वतन्त्रताको सन्तुलनलाई जवाफदेहितामार्फत सुनिश्चित गरेको छ। गति शक्ति सञ्चार पोर्टलले राइट अफ वे स्वीकृति अवधि ४४८ दिनबाट घटाएर केवल ३३ दिनमा पुऱ्याएको छ, जसले पारदर्शिता र गतिप्रति हाम्रो प्रतिबद्धताको उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत गर्दछ।

सुरक्षा हाम्रो सर्वोच्च प्राथमिकता रहँदै आएको छ। सञ्चार साथी पोर्टल र एपले २० करोडभन्दा बढ़ी नागरिकलाई हराएका मोबाइल फोनहरू ब्लक गर्न, सिमहरू प्रमाणित गर्न र ठगीको रिपोर्ट गर्न सशक्त बनाएको छ। ७५ भन्दा बढ़ी संस्थाहरूलाई एकीकृत गर्ने डिजिटल इन्टेलिजेन्स प्लेटफर्म ले रु. २०० करोड़ भन्दा अधिकको वित्तीय ठगी रोक्नमा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गरेको छ।

नवप्रवर्तन हाम्रो प्रेरणाको प्रमुख शक्ति बनेको छ। टेलिकम टेक्नोलोजी डेभलपमेन्ट फण्डले भारतभित्र नयाँ पुस्ताको नवप्रवर्तनलाई प्रवर्द्धन गर्दै रु. ५०० करोड़ मूल्यका परियोजनाहरूलाई समर्थन गरेको छ, जसमा 6 G अनुसन्धानका लागि रु. २०० करोड़ सामेल छ। पीएलआई योजनाले रु. ४,५१६ करोड़को लगानी, रु. ९१,१२५ करोड़को बिक्री, रु. १७,८०९ करोड़को निर्यात र २९,००० नयाँ रोजगारी सृजना गराउँदै भारतको दूरसञ्चार उत्पादन क्षेत्रमा विश्वव्यापी उपस्थितिलाई थप सुधार गरेको छ।

८ देखि 11 अक्टोबरसम्म आयोजित भएको इण्डिया मोबाइल कंग्रेस 2025 भारतको नवप्रवर्तन र सहकार्यको केन्द्रका रूपमा उदय भएको अर्को ऐतिहासिक माइलस्टोन प्रमाणित भयो। IMC 2025 एप को शुभारम्भसँगै, यो कार्यक्रम विश्वभरिका नेताहरू, स्टार्टअपहरू र लगानीकर्ताहरूलाई 5G, 6G, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्याटकम र साइबर सुरक्षाको भविष्य एकत्रित गर्ने जीवन्त मञ्च बनेको छ।

हामीले हरेक उपलब्धि हासिल गर्दा एउटा सत्य फेरि पुष्टि हुन्छ। भारतको दूरसञ्चार क्रान्ति केवल नेटवर्कको तीव्रता वा नयाँ प्रविधि मात्रको कुरा होइन। यो तपाईंको बारेमा हो, यस रूपान्तरणको केन्द्रमा रहेका नागरिकको बारेमा हो। चाहे त्यो ग्रामीण कक्षाको विद्यार्थी होस्, शहरको स्टार्टअप नवप्रवर्तक होस्, वा डिजिटल उपकरण अप्नाउने कृषक होस्, प्रत्येक भारतीय डिजिटल भारतको कथामा एउटा महत्वपूर्ण सूत्र हुन्।

जसरी हामी अघि बढ्छौं, आउनुहोस् हामी विश्वास, नवप्रवर्तन र उद्देश्यका साथ यो भविष्य सँगै निर्माण गरिरहौं, र सुनिश्चित गरौं कि देशको हरेक कुनामा रहेका प्रत्येक भारतीयले हाम्रो जडान गरिएको भोलिको असीमित सम्भावनाबाट लाभ उठाउन सकून्।

जय हिन्द।
तपाईंको विश्वासी,
ज्योतिरादित्य एम. सिन्धिया
सञ्चार मन्त्री, भारत सरकार

संचार मंत्रालय
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

सत्यमेव जयते

दूरसंचार मंत्र्यांचा संदेश

नमस्कार!

गेले वर्ष भारताच्या दूरसंचार प्रवासातील एक तेजस्वी अध्याय होता, हा काळ धाडसी सुधारणा, सर्वसमावेशक प्रगती, स्वदेशी नवोन्मेष आणि जागतिक नेतृत्वाकडे निर्णायक झेप या सर्वांनी सजलेला होता. आपले माननीय पंतप्रधान श्री. नरेंद्र मोदीजी यांच्या दूरदर्शी नेतृत्वाखाली, आपण डिजिटल भारताच्या दिशेने वाटचाल करताना या मार्गावरील आव्हानांचे संधींमध्ये आणि संधींचे महत्वपूर्ण टप्प्यांमध्ये रूपांतर केले आहे.

माननीय पंतप्रधानांच्या प्रबुद्ध मार्गदर्शनाखाली, दूरसंचार विभागाने सामावेशित (समावेशीकरण), त्वरीत (वेग), सुरक्षितता (सुरक्षा) आणि समृद्धी (समृद्धी) या तत्त्वांचा स्वीकार केला आहे. हीच तत्वे आपल्या ध्येयाला दिशा देतात आणि आपण हाती घेतलेल्या प्रत्येक उपक्रमात सहयोग देतात. समावेशित, डिजिटल युगात कोणताही नागरिक, कितीही दुर्गम भागात असला तरी, मागे राहू नये ही आमची वचनबद्धता समवेशित प्रतिबिंबित करते.

त्वरित, जलद आणि निर्णायक कृतीद्वारे जीवनमानात आणि व्यवसायात सुलभता आणण्याच्या आमच्या प्रयत्नांचे प्रतीक आहे. सुरक्षित, आपल्याला केवळ नेटवर्कच नाही तर प्रत्येक भारतीयाचा विश्वास आणि डेटा सुरक्षित ठेवण्याच्या आपल्या कर्तव्याची आठवण करून देते. समृद्धी, नवोन्मेषाला चालना देत, आत्मनिर्भरता वाढवत भारताला जगाचा विश्वासू मित्र, विश्वबंधू म्हणून देशाची प्रतिष्ठा बळकट करण्याची आपली आकांक्षा दर्शवते.

हे वर्ष परिवर्तनकारी ठरले आहे. भारत जगातील सर्वात जलद 5जी लॉंच करणारा देश म्हणून उदयास आला आहे. देशातील 99.9% जिल्ह्यांमध्ये आता जवळजवळ पाच लाख 5जी बेस स्टेशनच्या माध्यमातून सेवा उपलब्ध आहे. सुधारित भारतनेट कार्यक्रमांतर्गत, 6.94 लाख किलोमीटरहून अधिक लांबीच्या ऑप्टिकल फायबरच्या जाळ्या द्वारे आता 2.14 लाख ग्रामपंचायती जोडल्या गेल्या आहेत, ज्यामुळे ग्रामीण भारत डिजिटल पॉवरहाऊस बनला आहे. 4G सॅच्युरेशन प्रकल्पांतर्गत 12,700 हून अधिक टॉवर्स सुरू केले आहेत, ज्यामुळे 18,600 गावांना पहिल्यांदाच संपर्क सुविधा प्राप्त झाली.

आपली सर्वात दुर्गम बेटे देखील आता आपल्या आवाक्याबाहेर राहिलेली नाहीत. कोची-लक्षद्वीप सबमरीन केबल प्रकल्पामुळे 5G आणि FTTH सेवा सुरू झाल्या आहेत, ज्यामुळे बँडविड्थ पाचपटीने वाढली आहे आणि आपल्या दूरच्या बेटांनाही भारताच्या डिजिटल प्रवाहात स्थान मिळाले आहे.

या प्रवासातील एक निर्णायक क्षण म्हणजे माननीय पंतप्रधानांनी भारतात विकसित बीएसएनएल 4G स्टॅकचे उद्घाटन केले, जो आत्मनिर्भर भारताच्या दिशेने सुरू असलेल्या आपल्या प्रयत्नातील एक महत्त्वाचा टप्पा होता. या यशामुळे, भारत जगातील केवळ पाच देशांच्या एका उच्चभ्रू गटात सामील झाला आहे, ज्यांच्याकडे स्वतःचे 4जी कोअर तंत्रज्ञान डिझाइन, विकसित आणि तैनात करण्याची क्षमता आहे. प्रारंभाच्या दिवशीच, देशभरात एकाच वेळी एक लाख 4जी टॉवर सक्रिय करण्यात आले, ज्यामुळे दोन कोटींहून अधिक लोकांना विशेषतः दुर्गम भागातील लोकांना आणि पूर्वी संपर्क सुविधा उपलब्ध नसलेल्या प्रदेशातील लोकांना भारताच्या डिजिटल प्रवाहात सहभागी होता आले. ज्या काळात भारत 2जी कनेक्टिव्हिटीसाठी संघर्ष करत होता, तिथपासून, आता आपण जवळजवळ सर्वत्र 5जी कव्हरेज साध्य केले आहे. ही भारताच्या डिजिटल स्वावलंबनाची साक्ष आहे. हे 'मेड-इन-इंडिया 4जी स्टॅक डिजिटल आत्मनिर्भरता आणि तांत्रिक स्वातंत्र्याचे आणि जागतिक स्पर्धात्मकतेचे प्रतिक आहे. तसेच आपल्या भारत 6जी व्हिजन 2030 ची भक्कम पायाभरणी करते.

आपल्या सुधारणांनी या प्रगतीचा पाया रचला आहे. दूरसंचार कायदा, 2023 ने वसाहतकालीन कायद्यांना रद्दबातल ठरवून आधुनिक, तंत्रज्ञान निरपेक्ष चौकट प्रदान केली आहे. जी नवोन्मेषाला प्रोत्साहन देते, स्पेक्ट्रम व्यवस्थापन मजबूत करते आणि वापरकर्त्यांच्या हक्कांचे संरक्षण करते. दूरसंचार (सेवांचे तात्पुरते निलंबन) नियम, 2024 हे सुरक्षा आणि स्वातंत्र्य यामध्ये समतोल राखतात. गतिशक्ती संचार पोर्टलने 'राईट ऑफ वे' मंजुरीसाठी लागणारा कालावधी 448 दिवसांवरून केवळ 33 दिवसांपर्यंत आणला आहे, यातून पारदर्शकता आणि गतीसाठी आमची वचनबद्धता दिसून येते.

सुरक्षा हे आमचे सर्वोपरि प्राधान्य आहे. संचार साथी पोर्टल आणि ॲपने 20 कोटींहून अधिक नागरिकांना त्यांचे हरवलेले फोन ब्लॉक करण्यास, सिम पडताळण्यास आणि फसवणुकीची तक्रार नोंदवण्यासाठी सक्षम केले आहे. डिजिटल इंटेलिजेंस प्लॅटफॉर्मने 75 हून अधिक संस्थांना एकत्रित करून 200 कोटी रुपयांहून अधिक आर्थिक फसवणूक रोखण्यास मदत केली आहे.

नवोन्मेष ही आमची प्रेरक शक्ती आहे. टेलिकॉम टेक्नॉलॉजी डेव्हलपमेंट फंडने भारतातील नव्या पिढीतील नवोन्मेषाला चालना देण्यासाठी 500 कोटी रुपये किमतीच्या प्रकल्पांना पाठबळ दिले आहे, ज्यामध्ये 200 कोटींची गुंतवणूक 6G संशोधनासाठी समर्पित आहेत. उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनेने कोट्यवधी रुपयांची गुंतवणूक, 17,809 कोटी रुपयांची निर्यात आणि 29,000 नवीन नोकऱ्या निर्माण झाल्या आहेत, ज्यामुळे दूरसंचार उत्पादनात भारताचा जागतिक ठसा अधिक बळकट झाला आहे.

8 ते 11 ऑक्टोबर 2025 दरम्यान झालेल्या इंडिया मोबाईल कॉंग्रेस 2025 ने भारताच्या नवोन्मेष आणि सहकार्याचे केंद्र म्हणून उदयास येण्याला नवा आयाम दिला आहे. आयएमसी 2025 ॲपचा प्रारंभ झाल्यामुळे, हा कार्यक्रम जागतिक नेते, स्टार्टअप्स आणि गुंतवणूकदारांना 5जी, 6जी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सॅटकॉम आणि सायबर सुरक्षेच्या भविष्याभोवती एकत्र आणणारे एक उत्साही व्यासपीठ बनले.

आपण साध्य केलेला प्रत्येक टप्पा एका सत्याची पुष्टी करतो. भारताची दूरसंचार क्रांती केवळ वेगवान नेटवर्क किंवा नवीन तंत्रज्ञानाबद्दल नाही. ती तुमच्याबद्दल आहे, या परिवर्तनाच्या केंद्रस्थानी असलेल्या नागरिकांबद्दल आहे. ग्रामीण भागातील विद्यार्थी असो, शहरातील स्टार्टअप नवोन्मेषक असो किंवा डिजिटल साधने वापरणारा शेतकरी असो, प्रत्येक भारतीय हा डिजिटल भारताच्या कथेतील एक महत्त्वाचा धागा आहे.

आपण पुढे वाटचाल करत असताना, विश्वास, नवोन्मेष आणि विशेष उद्देशाने एकत्रित येऊन भविष्य घडवत राहूया, जेणेकरून देशाच्या कानाकोपऱ्यातील प्रत्येक भारतीयाला आपल्या कनेक्टेड उद्याच्या अमर्याद संधींचा लाभ घेता येईल.

जय हिंद.

आपला,

ज्योतिरादित्य एम. शिंदे

दूरसंवाद मंत्री, भारत सरकार

যোগাযোগ মন্ত্ৰালয়
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

যোগাযোগ মন্ত্ৰীৰ বাৰ্তা

নমস্কাৰ।

যোৱা বৰ্ষটো ভাৰতৰ টেলিকম যাত্ৰাৰ এক উজ্জ্বল অধ্যায় আছিল। বহুবছৰীয়া বিশ্ব নেতৃত্বৰ দিশত বলিষ্ঠ সংস্কাৰ, সৰ্বাংগীন বিকাশ, ফলুৱা উদ্ভাৱন সাধন আৰু এক নিৰ্ণায়ক অগ্ৰগতি লাভ কৰা হয়। আমাৰ মাননীয় প্ৰধানমন্ত্ৰী শ্ৰী নৰেন্দ্ৰ মোদী জাগৰীয়াৰ দূৰদৰ্শী নেতৃত্বৰে পৰিচালিত হৈ আমি আমাৰ ডিজিটেল ভাৰতৰ উমৈহতীয়া পথত উদ্ভৱ হোৱা প্ৰত্যাহ্বানসমূহক সুযোগলৈ ৰূপান্তৰিত কৰিছো।

মাননীয় প্ৰধানমন্ত্ৰীৰ সু-স্পষ্ট তত্ত্বাৱধানত টেলিকমিউনিকেচন বিভাগে সমাৱেশিত (inclusion), ত্বৰিৎ (speed), সুৰক্ষিত (security) আৰু সমৃদ্ধি (prosperity)-ৰ মনোভাৱক আকোৱালি লৈছে। এনে মনোভাৱে আমাৰ মিছনক আলোকিত আৰু আমি গ্ৰহণ কৰা সকলো পদক্ষেপকে সাফল্যমণ্ডিত কৰিছে। সমাৱেশিত-এ ডিজিটেল যুগত এজনো নাগৰিক খিমানেই দূৰৈৰ নহওঁক কিয়, পিছ পৰি নথকাটো নিশ্চিতকৰণৰ অৰ্থে আমাৰ দায়বদ্ধতাকে প্ৰতিফলিত কৰিছে।

ত্বৰিৎ মনোভাৱে দ্ৰুত, নিৰ্ণায়ক কাৰ্যৰ জৰিয়তে ইজ অব লিভিং আৰু ইজ অব ডুয়িং বিজনেছৰ অগ্ৰগতি সাধনৰ অৰ্থে আমাৰ সচেষ্টতাকে মূৰ্ত কৰি তুলিছে। সুৰক্ষিত মনোভাৱে কেৱল নেটৱৰ্কেই নহয়, বৰঞ্চ প্ৰতিজন ভাৰতীয়ৰ আস্থা আৰু ডাটাক সুৰক্ষিতকৰণৰ প্ৰতি আমাৰ কৰ্তব্যকে সোঁৱৰাই দিয়ে। সমৃদ্ধিয়ে উদ্ভাৱনক লালন-পালন, আত্ম-নিৰ্ভৰতা গঢ়ি তোলা আৰু বিশ্ববন্ধু - বিশ্বৰ বিশ্বাসযোগ্য মিত্ৰ হিচাপে ভাৰতৰ স্থিতি সুদৃঢ়কৰণৰ ক্ষেত্ৰত আমাৰ আকাংক্ষাকে সূচিত কৰে।

এই বৰ্ষটোও ৰূপান্তৰশীল। ভাৰতে প্ৰায় পাঁচ লাখ ৫জি বেছ ষ্টেচনৰ দ্বাৰা চালিত তথা বৰ্তমান ৯৯.৯% জিলাত উপলব্ধ ৫জি প্ৰৱৰ্তন কৰা বিশ্বৰ আটাইতকৈ দ্ৰুততম দেশ হিচাপে আত্মপ্ৰকাশ কৰিছে। সংশোধিত ভাৰতনেট কাৰ্যক্ৰমৰ জৰিয়তে ৬.৯৪ লাখ কিমিৰো অধিক অপ্টিকেল ফাইবাৰে এতিয়া ২.১৪ লাখ গ্ৰাম পঞ্চায়তক সংযুক্তকৰণেৰে ভাৰতৰ গ্ৰামাঞ্চলসমূহক ডিজিটেল পাৱাৰহাউছলৈ ৰূপান্তৰিত কৰিছে। ৪জি চেচুৰেচন প্ৰজেক্টে ১২,৭০০-ৰো অধিক টাৱাৰ কাৰ্যক্ষম কৰি ১৮,৬০০ খন গাঁৱলৈ সংযোগ ব্যৱস্থা প্ৰশস্ত কৰিছে। ইয়াৰে একাধিক গাঁৱে পোন-প্ৰথমবাৰৰ বাবে এনে সংযোগ ব্যৱস্থা লাভ কৰিছে।

আনকি আমাৰ দূৰৱৰ্তী দ্বীপসমূহো এতিয়া সংযোগ সীমাৰ বাহিৰত থকা নাই - কোচি-লাক্ষাদ্বীপ চাবমেৰিন কেবল প্ৰকল্পই ৫জি আৰু এফটিটিএইচ সেৱাৰ সূচনা কৰিছে। ইয়াৰ ফলশ্ৰুতিত বেণ্ডৱাইড (bandwidth) পাঁচগুণৰো অধিক বৃদ্ধি পাইছে আৰু আমাৰ প্ৰত্যন্ত সমাজসমূহ ভাৰতৰ ডিজিটেল মূলস্ৰোতত অন্তৰ্ভুক্ত হৈ পৰিছে

মাননীয় প্ৰধানমন্ত্ৰীগৰাকীয়ে ভাৰতৰ ফলুৱাভাৱে বিকশিত বিএছএনএল ৪জি ষ্টেক উদ্বোধন কৰা কাৰ্য্য এই যাত্ৰাৰ এক উল্লেখযোগ্য মুহূৰ্ত আছিল। এই কৃতিত্ব আমাৰ আত্মনিৰ্ভৰ ভাৰতৰ অভিমুখে যাত্ৰাত এক মাইলৰ খুঁটি। ইয়াৰ জৰিয়তে ভাৰতে নিজাকৈ ৪জি মূল প্ৰযুক্তিৰ ডিজাইন, বিকাশ আৰু নিয়োগৰ সামৰ্থ্য সম্পন্ন বিশ্বৰ মাত্ৰ পাঁচখন দেশৰ এক ইলাইট গ্ৰুপত যোগদান কৰে। শুভাৰম্ভণিৰ দিনা সমগ্ৰ ৰাষ্ট্ৰতে একেলগে এক লাখ ৪জি টাৱাৰ সক্ৰিয় হৈ উঠিছিল। ইয়াৰ ফলশ্ৰুতিত দুই কোটিৰো অধিক লোক ভাৰতৰ ডিজিটেল ব্যৱস্থাত অন্তৰ্ভুক্ত হৈছিল – ইয়াৰে গৰিষ্ঠসংখ্যক লোকেই হৈছে দূৰৱৰ্তী, পূৰ্বে সংযোগ-বিহীন অঞ্চলৰ। ভাৰতে ২জি সংযোগৰ বাবে সংগ্ৰাম কৰা সময়ৰ পৰা আহি-আহি আমি এতিয়া প্ৰায়-সাৰ্বজনীন ৫জি কভাৰেজ লাভ কৰিছো। এই মেড-ইন-ইণ্ডিয়া ৪জি ষ্টেক ডিজিটেল আত্ম-নিৰ্ভৰতা আৰু প্ৰযুক্তিগত স্বাধীনতাৰ স্তম্ভ হিচাপে পৰিগণিত হৈছে, যিয়ে ভাৰতৰ বিশ্বব্যাপী প্ৰতিযোগিতামূলক ক্ষমতাক সুদৃঢ় আৰু আমাৰ ইণ্ডিয়া ৬জি ভিজন, ২০৩০-ক সমৰ্থন কৰিছে।

আমাৰ সংস্কাৰবাজিয়ে এনে অগ্ৰগতিৰ ভেটি স্থাপন কৰিছে। টেলিকমিউনিকেচন আইন, ২০২৩-এ ঔপনিৱেশিক-যুগৰ আইনসমূহৰ বিপৰীতে এটি আধুনিক, প্ৰযুক্তি-নিৰপেক্ষ কাঠামোৰ সৃষ্টি কৰিছে, যি ব্যৱস্থাই উদ্ভাৱনক প্ৰসাৰিতকৰণেৰে স্পেকট্ৰাম ব্যৱস্থাপনাক সুদৃঢ় কৰিছে। লগতে, ইউজাৰৰ অধিকাৰক সুৰক্ষিত কৰিছে। টেলিকমিউনিকেচন (সেৱাসমূহৰ অস্থায়ী প্ৰলম্বন) অধিনিয়ম, ২০২৪-এ জৰুৰীদিহিতাৰ জৰিয়তে সুৰক্ষা আৰু স্বাধীনতাৰ মাজৰ ভাৰসাম্য অক্ষুণ্ণ ৰখা কাৰ্য্য নিশ্চিত কৰিছে। গতিশক্তি সঞ্চাৰ পৰ্টেলে ৰাইট অব ৱে অনুমোদন ৪৪৮ দিনৰ পৰা মাত্ৰ ৩৩ দিনলৈ হ্ৰাসেৰে স্বচ্ছতা আৰু গতিৰ প্ৰতি আমাৰ দায়বদ্ধতাৰ দৃষ্টান্ত দাঙি ধৰিছে।

সুৰক্ষা সৰ্বোচ্চ অগ্ৰাধিকাৰৰ বিষয় হৈ আছে। সঞ্চাৰ সাথী পৰ্টেল আৰু এপে ২০ কোটিৰো অধিক নাগৰিকক হেৰোৱা ফোন ব্লক, চিম পৰীক্ষণ আৰু জালিয়াতি সম্পৰ্কে অৱগতকৰণৰ ক্ষমতা প্ৰদান কৰিছে। ৭৫। সংস্থাক একত্ৰিত কৰা ডিজিটেল ইন্টেলিজেন্স প্লেটফৰ্মে ২০০ কোটি টকাৰো অধিক ধনৰ বিত্তীয় প্ৰৱঞ্চনা ৰোধত সহায় কৰিছে।

উদ্ভাৱন আমাৰ চালিকা শক্তি হৈয়েই আছে। টেলিকম প্ৰযুক্তি উন্নয়ন পুঁজিৰ জৰিয়তে ৬জি গৱেষণাৰ বাবে ২০০ কোটি টকাকে প্ৰমুখ্য কৰি ৫০০ কোটি টকা মূল্যৰ প্ৰকল্পসমূহলৈ সমৰ্থন আগবঢ়োৱা হৈছে। এই পুঁজিয়ে ভাৰতত পৰৱৰ্তী-প্ৰজন্মৰ উদ্ভাৱনক লালন-পালন কৰিছে। একেদৰে পিএলআই আঁচনিখনে ৪,৫১৬ কোটি টকাৰ বিনিয়োগ, ৯১,১২৫ কোটি টকাৰ বিক্ৰী, ১৭,৮০৯ কোটি টকাৰ ৰপ্তানি আৰু ২৯,০০০ নতুন নিয়োগ সৃষ্টিৰ ক্ষেত্ৰত অনুঘটক হিচাপে কাম কৰিছে তথা টেলিকম উৎপাদনত ভাৰতৰ বিশ্বব্যাপী স্থানক সুদৃঢ় কৰিছে।

যোৱা ৮-১১ অক্টোবৰত অনুষ্ঠিত ইণ্ডিয়া মবাইল কংগ্ৰেছ, ২০২৫ আছিল ভাৰতৰ উদ্ভাৱন আৰু সহযোগিতা কেন্দ্ৰ হিচাপে উত্থান কাৰ্য্যক খুপাই-প্ৰদৰ্শন কৰা আন এক মাইলৰ খুঁটি। আইএমচি ২০২৫ এপ মুকলিৰ লগে-লগে এই কাৰ্য্যসূচী ৫জি, ৬জি, এআই, ছেটকম (Satcom) আৰু চাইবাৰ সুৰক্ষাৰ ভৱিষ্যতৰ অৰ্থে বিশ্বৰ নেতা, ষ্টাৰ্টআপ আৰু বিনিয়োগকাৰীসকলক একত্ৰিত কৰা এখনি স্পন্দনশীল মঞ্চত পৰিণত হয়।

আমি স্থাপন কৰা প্ৰতিটো মাইলৰ খুঁটিয়ে ভাৰতৰ টেলিকম বিপ্লৱ কেৱল দ্ৰুত নেটৱৰ্ক বা নতুন প্ৰযুক্তিতে সীমাবদ্ধ নোহোৱা সত্যক সুদৃঢ় কৰিছে। বৰঞ্চ এয়া আপোনাসকলৰ কথা – নাগৰিকসকলেই হৈছে এনে ৰূপান্তৰৰ কেন্দ্ৰবিন্দু। গ্ৰামাঞ্চলৰ শ্ৰেণীকোঠাৰ ছাত্ৰ-ছাত্ৰীয়েই হওঁক, চহৰৰ ষ্টাৰ্টআপ উদ্যোগকেই হওঁক বা ডিজিটেল সঁজুলিৰ অভিযোজনা কৰা কৃষকেই হওঁক, প্ৰতিজন ভাৰতীয় হৈছে ডিজিটেল ভাৰতৰ কাহিনীৰ এক গুৰুত্বপূৰ্ণ অংশ।

আগবাঢ়ি যোৱাৰ লগে-লগে আমি বিশ্বাস, উদ্ভাৱন আৰু উদ্দেশ্যেৰে একেলগে এই ভৱিষ্যৎ গঢ়ি তোলো আহক। আমাৰে এনে পন্থাই ৰাষ্ট্ৰৰ প্ৰতিটো প্ৰান্তৰ প্ৰতিজন ভাৰতীয় আমাৰ সংযুক্ত ভৱিষ্যতৰ নিৰবধি প্ৰতিশ্ৰুতিৰ পৰা উপকৃত হোৱাটো নিশ্চিত কৰিব।

জয় হিন্দ!
আপোনাৰ বিশ্বাসী
জ্যোতিৰাদিত্য এম সিন্ধিয়া
যোগাযোগ মন্ত্ৰী, ভাৰত চৰকাৰ

যোগাযোগ মন্ত্রক
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

যোগাযোগ মন্ত্রীর বার্তা

নমস্কার!

গত বছরটি ছিল ভারতের টেলিযোগাযোগ ব্যবস্থাপনার ক্ষেত্রে এক উজ্জ্বলতম অধ্যায়। এই সময়কালে নানা ধরনের সংস্কার কার্যকর হয়েছে, অন্তর্ভুক্তিমূলক অগ্রগতি এবং দেশীয় স্তরে উদ্ভাবনের পাশাপাশি, আন্তর্জাতিক স্তরে নেতৃত্বদানের ক্ষমতা অর্জিত হয়েছে। আমাদের দূরদর্শী প্রধানমন্ত্রী শ্রী নরেন্দ্র মোদীজির নেতৃত্বে আমরা বিভিন্ন সমস্যাকে সুযোগ এবং সম্ভাবনায় কাজে লাগিয়েছি, এর ফলে ডিজিটাল ভারতের পথে আমরা অগ্রসর হতে পেরেছি।

মাননীয় প্রধানমন্ত্রীর যোগ্য নেতৃত্বে টেলিযোগাযোগ দপ্তর সমন্বিত বা অন্তর্ভুক্তিমূলক, ত্বরিৎ, সুরক্ষিত এবং সমৃদ্ধি - এই নীতি অনুসরণ করে চলছে। এর ফলে, আমাদের উদ্দেশ্যগুলি বাস্তবায়িত হচ্ছে। অন্তর্ভুক্তিমূলক উদ্যোগের মাধ্যমে দেশের প্রত্যন্ত অঞ্চলে কোনও নাগরিক যাতে ডিজিটাল যুগের সুযোগ থেকে বঞ্চিত না হন, আমাদের সেই অঙ্গীকারও এর মধ্য দিয়ে প্রতিফলিত হয়েছে।

সহজ জীবনযাত্রা এবং সহজে ব্যবসা-বাণিজ্য করার সুযোগ নিশ্চিত করতে ত্বরিৎ গতিতে কাজ করার প্রবণতার মধ্য দিয়ে বিভিন্ন নির্ণায়ক সিদ্ধান্ত বাস্তবায়িত হচ্ছে। আমাদের কর্তব্যের মধ্যে সুরক্ষার বিষয়টি অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। এর মাধ্যমে প্রত্যেক ভারতবাসীর শুধু আস্থাই অর্জন করা নয়, তাঁদের তথ্য সুরক্ষিত রাখার বিষয়টিও রয়েছে। সমৃদ্ধি আমাদের আকাঙ্ক্ষাকে প্রতিনিধিত্ব করে, যেখানে উদ্ভাবন, আত্মনির্ভর হয়ে ওঠা এবং ভারতকে বিশ্ববন্ধু হিসেবে প্রতিষ্ঠিত করার জন্য শক্তিশালী করে তোলা আমাদের মূল উদ্দেশ্য।

এই বছরটিতে নানা সংস্কারমূলক কাজ করা হয়েছে। ফাইভজি পরিষেবা প্রদানের নিরিখে ভারত দ্রুততম রাষ্ট্র হিসেবে বিবেচিত হচ্ছে। বর্তমানে দেশের ৯৯.৯ শতাংশ জেলাতেই ৫জি পরিষেবা পাওয়া যাচ্ছে। এক্ষেত্রে ৫ লক্ষ ফাইভজি বেস স্টেশন গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করছে। সংশোধিত ভারতনেট কর্মসূচির মাধ্যমে ৬.৯৪ লক্ষ কিলোমিটার অপটিক্যাল ফাইবার ২ লক্ষ ১৪ হাজার গ্রাম পঞ্চায়েতকে যুক্ত করেছে। এর ফলে, ভারতের গ্রামাঞ্চল ডিজিটাল চালিকাশক্তিতে পরিণত হয়েছে। ফোরজি স্যাচুরেশন প্রোজেক্টের সূচনার পর ১২,৭০০ টাওয়ার বসেছে। এর ফলে, এই প্রথমবার ১৮,৬০০ গ্রামে টেলিযোগাযোগ ব্যবস্থা গড়ে তোলা সম্ভব হয়েছে।

আমাদের প্রত্যন্ত দ্বীপগুলিও এখন যোগাযোগ ব্যবস্থার আওতায় এসেছে। কোচি-লাক্ষাদ্বীপ সাবমেরিন কেবল প্রকল্পটি সংশ্লিষ্ট অঞ্চলে ফাইভজি এবং এফটিটিএইচ পরিষেবা প্রদান করায় ভারতের দূরবর্তী অঞ্চলের বাসিন্দারাও ডিজিটাল মূলস্রোতে যুক্ত হতে পেরেছেন।

প্রধানমন্ত্রীর দেশীয় প্রযুক্তিতে উদ্ভাবিত বিএসএনএল ফোরজি স্ট্যাকের উন্মোচন করার মধ্য দিয়ে আত্মনির্ভর ভারত গঠনের পথে আরও একধাপ এগোনো সম্ভব হয়েছে। ভারতের এই সাফল্য অর্জিত হওয়ার ফলে আন্তর্জাতিক স্তরে পাঁচটি দেশ ফোরজি-র মূল প্রযুক্তির পরিকল্পনা এবং তা বাস্তবায়নের দক্ষতা অর্জন করেছে। এই প্রকল্পের যেদিন সূচনা হয়েছিল, সেদিন দেশজুড়ে ১ লক্ষ ফোরজি টাওয়ার কাজ শুরু করে। এর ফলে, ভারতের ডিজিটাল ব্যবস্থাপনায় আরও ২ কোটির বেশী মানুষ অন্তর্ভুক্ত হন, এঁদের মধ্যে অনেকেই দেশের প্রত্যন্ত অঞ্চলের বাসিন্দা। অতীতে ভারতে ফাইভজি প্রযুক্তির পরিষেবা পৌঁছে দেওয়াই বড় এক চ্যালেঞ্জ ছিল। আর আমরা বর্তমানে ফাইভজি পরিষেবাকে প্রায় সর্বত্রই পৌঁছে দিচ্ছি। মেড-ইন-ইন্ডিয়া ফোরজি স্ট্যাক ডিজিটাল ক্ষেত্রে আত্মনির্ভর হয়ে ওঠার এক বড় সোপান। এর মধ্য দিয়ে আন্তর্জাতিক স্তরে বিভিন্ন দেশের সঙ্গে ভারত প্রতিযোগিতায় সামিল হতে পারে। ২০৩০ সালের মধ্যে সিক্সজি প্রযুক্তির পরিষেবা যাতে ভারতে পাওয়া যায়, এর মাধ্যমে সেই লক্ষ্যও অর্জিত হবে।

আমাদের সংস্কারগুলি প্রগতির এই পথে এগোনোর ক্ষেত্রে এক ভিত্তি গড়ে তুলেছে। ২০২৩ সালের টেলিযোগাযোগ আইন ঔপনিবেশিক যুগের আইনটিকে প্রতিস্থাপিত করে একটি আধুনিক, প্রযুক্তি-নির্ভর ব্যবস্থাপনার জন্য বাস্তবায়িত হয়েছে। এর মাধ্যমে উদ্ভাবনকে উৎসাহিত করা হচ্ছে, স্পেকট্রাম ব্যবস্থাপনাকে শক্তিশালী করা সম্ভব হবে এবং গ্রাহকদের স্বার্থ সুরক্ষিত থাকবে। ২০২৪ সালের টেলিযোগাযোগ সংক্রান্ত নিয়মাবলীটি পরিষেবা প্রদানের ক্ষেত্রে সাময়িক ভূসিত্যদেশের জন্য কার্যকর করা হয়েছে। এই নিয়মাবলী দায়বদ্ধতার মধ্য দিয়ে সুরক্ষা এবং স্বাধীনতার মধ্যে ভারসাম্য বজায় রাখবে। গতিশক্তি সঞ্চার পোর্টাল বিভিন্ন প্রস্তাব অনুমোদনের ক্ষেত্রে সহায়ক হয়েছে। এর ফলে অতীতে যে প্রস্তাবগুলি অনুমোদনে ৪৪৮ দিন লাগত, বর্তমানে তা মাত্র ৩৩ দিনে কার্যকর হচ্ছে। এর ফলে স্বচ্ছতার সঙ্গে বিভিন্ন সিদ্ধান্ত দ্রুত গ্রহণ করা সম্ভব হচ্ছে।

নিরাপত্তার বিষয়টিকে সর্বদাই অগ্রাধিকার দেওয়া হয়। সঞ্চার সাথী পোর্টাল এবং অ্যাপ ২০ কোটির বেশী নাগরিককে ক্ষমতায়ন নিশ্চিত করেছে। এই পোর্টালের সাহায্যে তাঁরা হারিয়ে যাওয়া ফোনের সিম ব্লক করতে পারেন, সিমের ভেরিফিকেশনের কাজ এবং বিভিন্ন প্রতারণামূলক কার্যকলাপ দ্রুততার সঙ্গে জানাতে পারেন। ডিজিটাল পদ্ধতিতে নজরদারি ব্যবস্থা ৭৫টির বেশি সংগঠনকে একত্রিত করেছে। এর ফলে, ২০০ কোটি টাকার বেশি আর্থিক অনিয়মের হাত থেকে রক্ষা পাওয়া সম্ভব হয়েছে।

উদ্ভাবন আমাদের মূল চালিকাশক্তি। টেলিযোগাযোগ প্রযুক্তি উন্নয়ন তহবিল ৫০০ কোটি টাকার বিভিন্ন প্রকল্পকে সহায়তা করছে। এর মধ্যে গবেষণার জন্য সিক্সজি পরিষেবাকে ২০০ কোটি টাকা দেওয়া হবে। এই অর্থ অত্যাধুনিক প্রযুক্তি উদ্ভাবনে সহায়ক হবে। উৎপাদন-লিঙ্কিত উৎসাহ প্রকল্প ৪,৫১৬ কোটি টাকার বিনিয়োগ নিয়ে আসার ক্ষেত্রে অনুঘটকের ভূমিকা পালন করেছে। এই প্রকল্পের ফলে দেশে ৯১,১২৫ কোটি টাকার সামগ্রী বিক্রি হয়েছে। এছাড়াও, ১৭,৮০৯ কোটি টাকার সামগ্রী বিদেশে রপ্তানি হয়েছে। ফলস্বরূপ, ২৯ হাজার নতুন কর্মসংস্থান সৃষ্টি হয়েছে এবং টেলিযোগাযোগ সংক্রান্ত বিভিন্ন সরঞ্জাম উৎপাদনে ভারত আন্তর্জাতিক স্তরে স্থান করে নিয়েছে।

৮-১১ অক্টোবর ইন্ডিয়া মোবাইল কংগ্রেস, ২০২৫ অনুষ্ঠিত হয়। আন্তর্জাতিক স্তরে উদ্ভাবনের অন্যতম কেন্দ্র হয়ে ওঠার ক্ষেত্রে ভারতের গুরুত্ব এই সম্মেলনের মাধ্যমে প্রতিফলিত হয়েছে। আইএমসি, ২০২৫ অ্যাপের সূচনার মধ্য দিয়ে আন্তর্জাতিক স্তরের প্রথম সারির সংস্থাগুলি একটি প্রাণবন্ত মঞ্চ ব্যবহারের সুযোগ পেয়েছে। এই মঞ্চে স্টার্ট-আপ সংস্থা এবং ফাইভজি, সিক্সজি, কৃত্রিম মেধা, স্যাটকম ও সাইবার নিরাপত্তার সঙ্গে যুক্ত উদ্ভাবকরাও উপকৃত হয়েছেন।

যে সাফল্যগুলি আমরা অর্জন করেছি তা একটি সত্যকে তুলে ধরে। ভারতের টেলিযোগাযোগ ক্ষেত্রে যে বিপ্লব সংগঠিত হচ্ছে, তা শুধু দ্রুত নেটওয়ার্ক বা নতুন নতুন প্রযুক্তির মধ্যেই সীমাবদ্ধ নেই, এই পরিবর্তনের মূলে রয়েছেন দেশের নাগরিকরা। গ্রামাঞ্চলের কোনও শ্রেণীকক্ষে একজন ছাত্র, শহরের উদ্ভাবন সংক্রান্ত স্টার্ট-আপ প্রতিষ্ঠানের কর্ণধার অথবা যে কৃষক ডিজিটাল প্রযুক্তিকে ব্যবহার করে কৃষিকাজ করছেন - এঁরা সকলেই ডিজিটাল ভারতের গুরুত্বপূর্ণ অংশীদার।

আমরা ক্রমশ এগিয়ে চলেছি। আস্থা, উদ্ভাবন এবং নির্দিষ্ট লক্ষ্য অর্জনের উদ্দেশ্য নিয়ে আমাদের ভবিষ্যৎ গড়ে তোলা হবে, যেখানে দেশের প্রত্যেক প্রান্তে প্রতিটি ভারতবাসী আমাদের যোগাযোগ ব্যবস্থাপনার উদ্যোগে উপকৃত হবেন।

জয় হিন্দ!

আপনাদেরই,
জ্যোতিরাদিত্য এম সিন্ধিয়া
যোগাযোগ মন্ত্রী, ভারত সরকার